MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । रविवार, 14 जून, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-162

डील आज, खुलेगा होर्मुज

बी-2 बॉम्बर से नष्ट करेंगे न्यूक्लियर डस्ट

वॉशिंगटन, 13 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है अमेरिका-ईरान समझौते पर कल साइन होंगे और तुरंत बाद होर्मुज जलडमरूमध्य सभी के लिए खोल दिया जाएगा। उनका यह बयान तब आया है, जब अमेरिका ने ईरान की नाकाबंदी जारी रखी है। इस बीच पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी ऐलान किया है कि अमेरिका और ईरान में 24 घंटे के अंदर समझौता हो सकता है। वहीं, ईरानी मीडिया का कहना है कि अब भी कई ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर सहमति बनना बाकी है।

डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, ईरान के साथ बराक हुसैन ओबामा की डील परमाणु हथियार पाने का एक आसान, शानदार और सीधा रास्ता थी; अगर वह डील रहती तो ईरान के पास छह साल पहले ही परमाणु हथियार आ गए होते और वे अब तक उनका इस्तेमाल भी कर चुके होते। ईरान के साथ मेरा समझौता बिल्कुल इसके उलट है - यह परमाणु हथियार न होने की एक दीवार है! असल में, अब वे परमाणु हथियार नहीं चाहते और न ही उनके पास कोई परमाणु हथियार होगा - चाहे खरीदकर, बनाकर या किसी और तरीके से हासिल करके। ट्रंप ने आगे कहा, इस डील पर कल साइन होने हैं और साइन होते ही होर्मुज जलडमरूमध्य सभी के लिए खुल जाएगा। ईरान के साथ हमारे रिश्ते पिछली सरकारों के मुकाबले बहुत अलग और बेहतर हैं। ओबामा ने उन्हें जो अरबों डॉलर दिए थे - जिसमें 1.7 अरब डॉलर नकद (कैश) भी शामिल थे - उसके उलट, इस बार कोई पैसे का लेन-देन नहीं होगा। सही समय आने पर, जब सब कुछ शांत हो जाएगा, तो हम अपने शानदार बी-2 बॉम्बर और उनके बेहतरीन पायलटों की मदद से वहां जाकर उस परमाणु सामग्री (न्यूक्लियर डस्ट) को निकालेंगे जो ग्रेनाइट के पहाड़ों के नीचे गहराई में दबी है, और उसे कमज़ोर करके नष्ट कर देंगे - चाहे ईरान में या अमेरिका में।

ट्रंप ने आखिरी विकल्प की धमकी भी दी

उन्होंने यह भी कहा, हम भविष्य में ईरान और पूरे मध्य पूर्व के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। उम्मीद है कि यह प्रक्रिया जल्दी, आसानी से और बिना किसी रुकावट के पूरी हो जाएगी। अगर ऐसा नहीं होता है, तो हमारे पास सबसे आखिरी विकल्प भी मौजूद है - उम्मीद है कि उसका इस्तेमाल कभी नहीं करना पड़ेगा! इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद!!!

उन्होंने ओबामा प्रशासन पर आरोप लगाया कि उसने ईरान को अरबों डालर दिए थे, जिनमें 1.7 अरब डालर नकद भी शामिल थे।

रॉयटर के अनुसार, ट्रंप के बयान से पहले शरीफ ने एक्स पर लिखा कि अमेरिका और ईरान शांति समझौते की रूपरेखा पर सहमत हो चुके हैं और इस पर हस्ताक्षर के बाद अगले सप्ताह दोनों के बीच तकनीकी स्तर की बातचीत होगी। ▶8 पर

मोदी-ट्रंप बैठक 17 जून को

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। फ्रांस में आयोजित होने जा रही जी7 समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच अहम द्विपक्षीय बैठक होगी। अमेरिकी प्रशासन ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों नेताओं की मुलाकात समिट के आखिरी दिन 17 जून को तय की गई है। ऐसे समय में जब दुनिया कई चुनौतियों जूझ रही है, ये बैठक अहम मानी जा रही है। व्हाइट हाउस के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोमवार सुबह वॉशिंगटन से रवाना होंगे। यूएससी फ्रीडम 250 कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद वो फ्रांस के एवियन पहुंचेंगे, जहां स्थानीय समयानुसार सोमवार दोपहर जी7 समिट में शामिल होंगे। अपनी इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के नेताओं के साथ कई अहम बैठकों में हिस्सा लेने वाले हैं। एक अधिकारी ने बताया कि ट्रंप जी7 नेताओं के साथ आर्थिक विकास, वैश्विक विकास साझेदारी, सप्लाई चेन रेजिलिएंस, अवैध प्रवासन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे साझा महत्व के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इसके साथ वो महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति शृंखलाओं को मजबूत करने, आर्थिक सुरक्षा बढ़ाने और ड्रग तस्करी से निपटने के लिए ▶8 पर

नाविकों की हत्या पर थरूर बोले-

क्या दोस्त ऐसे होते हैं?

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। ओमान के पास समुद्र में एक आम व्यापारी जहाज था। उस पर 24 भारतीय नाविक काम कर रहे थे। अमेरिकी नौसेना ने उस पर हमला कर दिया। तीन भारतीय मारे गए। भारत ने कड़ा विरोध किया। अमेरिका ने माफी मांगने की जगह हेकड़ी दिखाई। और अब कांग्रेस नेता शशि थरूर ने सीधे सवाल पूछा है कि क्या भारतीयों की जान की कोई कीमत नहीं? उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि कोई दोस्त ऐसा कैसे बोल सकता है। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा ने भी अमेरिका के बयान पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है।

ओमान के समुद्री किनारे के पास एक जहाज था जिसका नाम था एमटी सेटेबेल्लो। यह कोई युद्धपोत नहीं था। यह एक आम व्यापारी जहाज था जो समुद्र में सामान ढो रहा था। इस जहाज पर पलाउ देश का झंडा लगा था। और इस पर काम करने वाले 24 नाविक भारतीय थे।

अमेरिका ने होर्मुज की खाड़ी में नाकाबंदी कर रखी है। यानी अमेरिका ने तय किया है कि इस समुद्री रास्ते से कोई भी जहाज बिना उनकी इजाजत के नहीं गुजरेगा। अमेरिकी नौसेना का कहना था कि यह जहाज उनके आदेश को नहीं मान रहा था। इसी वजह से अमेरिकी नौसेना ने उस पर हमला कर दिया।

हमले के बाद 21 नाविकों को बचा लिया गया। लेकिन तीन नाविक लापता हो गए। बाद में पता चला कि वो तीनों मारे जा चुके थे।

इस पूरे मामले पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने अमेरिका के रुख पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि अमेरिका के आधिकारिक बयान में तीन भारतीय नागरिकों की मौत पर कोई दुख नहीं जताया गया, कोई माफी नहीं मांगी गई। थरूर ने पूछा कि जो देश भारत का दोस्त और रणनीतिक साझेदार है, वो इतना बेपरवाह कैसे हो सकता है।

थरूर ने एक और अहम सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि अगर जहाज उनकी बात नहीं मान रहा था तो मिसाइल से हमला करना जरूरी था क्या। क्या जहाज के इंजन या उसकी दिशा को बिना किसी को मारे रोका नहीं जा सकता था। क्या बिना जान लिए जहाज को नहीं रोका जा सकता था। थरूर ने एक बड़ी बात यह भी कही कि इन समुद्री रास्तों से गुजरने वाले लगभग हर व्यापारी जहाज पर भारतीय नाविक काम करते हैं। तो क्या अब वो सब अमेरिकी मिसाइलों के निशाने पर हैं। थरूर ने उम्मीद जताई कि जयशंकर ने रुबियो से बात में यह सब साफ-साफ कह दिया होगा।

जयशंकर और रुबियो के बीच बातचीत?

घटना के बाद भारत ने कड़ा विरोध दर्ज कराया था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से बातचीत कर भारत की नाराजगी जाहिर की। जयशंकर ने कहा था कि आम व्यापारी जहाजों पर इस तरह की घातक कार्रवाई स्वीकार नहीं की जा सकती। इसे लेकर एक्स पर पोस्ट भी किया।

इसके बाद शनिवार को रूबियो ने भी जयशंकर से संपर्क किया। बातचीत के दौरान अमेरिका ने स्पष्ट किया कि वह होर्मुज क्षेत्र में अपनी नाकाबंदी के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं करेगा। ▶8 पर

जोरहाट एयरबेस पर एएन-32 क्रैश

देश ने खोए पाँच बहादुर सपूत

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। असम के जोरहाट एयरबेस पर भारतीय वायुसेना (आईएएफ) का एक एंतोनोव एन-32 (एएन-32) परिवहन विमान क्रैश हो गया है। वायुसेना के अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस दर्दनाक हादसे में वायुसेना के पांच बहादुर जवानों ने देश की सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। हालांकि, राहत की बात यह है कि विमान के को-पायलट इस हादसे में सुरक्षित बच गए हैं, जिन्हें गंभीर चोटें आई हैं। अस्पताल में उनका इलाज जारी है।वायुसेना ने इस हादसे के तुरंत बाद दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दे दिए हैं।

शहीद हुए जांबाज सैन्य कर्मियों में स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत व अग्निवीरवायु दानिश आलम शामिल हैं। वायुसेना ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि भारतीय वायुसेना ▶8 पर

धीरज सेठ अगले थलसेना प्रमुख

30 जून को संभालेंगे पद्भार

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। भारत सरकार ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ भारतीय थल सेना के अगले प्रमुख होंगे। वह 30 जून, 2026 की दोपहर को जनरल का पदभार संभालेंगे। वर्तमान सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी 30 जून, 2026 को अपनी सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जिसके बाद वर्तमान में थल सेना के उप-प्रमुख के रूप में सेवा दे रहे लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ सेना की कमान अपने हाथों में लेंगे। लगभग चार दशकों के अपने शानदार सैन्य करियर में उन्होंने सेना के आधुनिकीकरण और युद्ध में अभूतपूर्व योगदान दिया है। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं। दिसंबर 1986 में उन्हें भारतीय सेना की प्रतिष्ठित आर्मर्ड कॉर्प्स (बख्तरबंद कोर) में कमीशन दिया गया था। ▶8 पर

राम मंदिर चढ़ावा गबन मामला

एसआईटी गठित, गोबर के ढेर से मिले 10 लाख

अयोध्या, 13 जून (एजेंसियां)। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की राशि में गबन के दावे ने अब बड़ा रूप ले लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) गठित कर दी है। उधर, स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने मंदिर कर्मचारी लव कुश मिश्र को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, जांच के दौरान मंदिर में चढ़ावे की राशि गिनने वाले कर्मचारी लवकुश मिश्रा के घर से करीब 10 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। युवक रुदौली के शुजागंज क्षेत्र के मीनापुर फगौली गांव का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि कुछ रकम घर की अलमारी में रखी गई थी, जबकि कुछ नकदी गोबर के ढेर में दबाकर छिपाई गई थी। बरामद धनराशि के स्रोत को लेकर फिलहाल जांच जारी है और अधिकारियों ने इस संबंध में कोई अंतिम निष्कर्ष सार्वजनिक नहीं किया है। मामले में एक और कर्मचारी को संदेह के आधार पर हिरासत में लेकर पूछताछ किए जाने की ▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33[0]
न्यूनतम : 25[0]

अल-नीनो की पुष्टि : जुलाई-अगस्त में सूखा

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। भारत की कृषि, अर्थव्यवस्था और आम जनजीवन की जीवन-रेखा कहे जाने वाले मॉनसून पर एक बार फिर अल-नीनो का काला साया मंडराने लगा है। अमेरिकी मौसम एजेंसी और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने आधिकारिक तौर पर 11 जून, 2026 को प्रशांत महासागर में अल-नीनो के आगमन की पुष्टि कर दी है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से 0.7ओसी अधिक दर्ज किया गया है। मौसम के मॉडल संकेत दे रहे हैं कि आने वाले महीनों में यह स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है। इस घोषणा के साथ ही भारत में इस साल के मॉनसून अनुमान को घटाकर सामान्य का केवल 90% कर दिया गया है, जो सीधे तौर पर कम बारिश और सूखे के खतरे की ओर इशारा करता है। वशेष रूप से जुलाई और अगस्त के महीनों में मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत के खेती वाले इलाकों में लंबे समय तक सूखा रहने की आशंका जताई गई है, जिसे देखते हुए सरकार ने करीब 200 जिलों के किसानों के लिए एडवाइजरी जारी कर दी है। अल-नीनो एक प्राकृतिक जलवायु घटना है, जो हर दो से सात साल के गैप में प्रशांत महासागर में होती है। स्पैनिश भाषा में इसका अर्थ छोटा बच्चा या बाल ईसा होता है, क्योंकि दक्षिण अमेरिका के मछुआरों ने सबसे पहले क्रिसमस के आसपास समुद्र के पानी में इस असामान्य गर्माहट को महसूस की थी। सामान्य परिस्थितियों में, प्रशांत महासागर में चलने वाली तेज हवाएं गर्म पानी को एशिया और ऑस्ट्रेलिया की तरफ धकेलती हैं, जिससे हमारे क्षेत्र में अच्छी बारिश होती है। ▶8 पर

पीओके में आंदोलन भड़का

53 मौतों का दावा, भारत ने जताई चिंता

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में चल रहा विरोध प्रदर्शन एक बड़े आंदोलन का रूप लेता दिखाई दे रहा है। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि पाकिस्तानी प्रशासन और सुरक्षा बलों की कार्रवाई में अब तक 53 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। इस घटनाक्रम ने पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है।

रावलकोट का ईदगाह मैदान इस आंदोलन का केंद्र बनकर उभरा है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि अपने अधिकारों और समस्याओं को लेकर जुटे लोगों पर सुरक्षा बलों ने कार्रवाई की है। आंदोलन से जुड़े लोगों का दावा है कि इस कार्रवाई में 16 लोगों की मौत हुई और 37 लोग घायल हुए। इसके बाद गुस्सा और बढ़ गया।

मुजफ्फराबाद, रावलकोट, कोटली और मीरपुर समेत कई शहरों में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए हैं। आंदोलनकारियों का दावा है कि 80 हजार से अधिक लोग प्रदर्शन में शामिल हैं। ▶8 पर

प्राचीन मिस्री मकबरे से मिला लगभग 3,000 वर्ष पुराना शहद

काहिरा

प्राचीन मिस्री मकबरे से शोधकर्ताओं को लगभग 3,000 वर्ष पुराना शहद मिला है। हजारों साल गुजरने के बावजूद यह शहद आज भी सुरक्षित और खाने योग्य पाया गया है। असाधारण खोज का इतिहास वर्ष 1922 से जुड़ा है, जब पुरातत्वविद् हावर्ड कार्टर और उनकी टीम ने मिस्र के प्रसिद्ध शासक तूतनखामुन के मकबरे को खोला था। खुदाई के दौरान उन्हें संगमरमर और मिट्टी के कई जार मिले, जिनमें गाढ़े अंबर रंग का शहद भरा हुआ था। यह खोज न केवल प्राचीन मिस्र की उन्नत संरक्षण तकनीकों को दर्शाती है, बल्कि मधुमक्खियों द्वारा निर्मित शहद की अनूठी रासायनिक संरचना को भी उजागर करती है। यह शहद लगभग 1323 ईसा पूर्व का माना गया। वैज्ञानिकों द्वारा किए गए परीक्षणों में पाया गया कि हजारों वर्ष पुराना होने के बावजूद यह शहद खराब नहीं हुआ था और उसकी मिठास भी बरकरार थी। विशेषज्ञों के अनुसार, शहद के लंबे समय तक सुरक्षित रहने के पीछे उसकी प्राकृतिक रासायनिक संरचना जिम्मेदार है। सबसे पहले, शहद में पानी की मात्रा अत्यंत कम होती है। मधुमक्खियां फूलों से रस लाने के बाद उसमें मौजूद अतिरिक्त पानी को कम कर देती हैं, जिससे बैक्टीरिया और फफूंद के पनपने की संभावना लगभग समाप्त हो जाती है। शहद में मौजूद अत्यधिक मात्रा में फ्रक्टोज और ग्लूकोज सूक्ष्म जीवों के लिए प्रतिकूल वातावरण तैयार करते हैं।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण शहद का अम्लीय स्वभाव है। इसका पीएच स्तर लगभग 4 होता है, जो कई हानिकारक बैक्टीरिया के लिए अनुकूल नहीं माना जाता। मधुमक्खियों द्वारा उत्पन्न विशेष एंजाइम ग्लूकोज को ग्लूकोनिक अम्ल में बदल देते हैं, जिससे शहद की अम्लता बढ़ जाती है और सूक्ष्म जीवों की वृद्धि रुक जाती है। तीसरा और सबसे प्रभावशाली तत्व हाइड्रोजन पेरोक्साइड का निर्माण है। यह वही रसायन है जिसका उपयोग एंटीसेप्टिक के रूप में किया जाता है। शहद में मौजूद एंजाइम समय-समय पर इसकी थोड़ी मात्रा उत्पन्न करते रहते हैं, जिससे उसमें जीवाणुरोधी गुण बने रहते हैं। यही कारण है कि प्राचीन सभ्यताओं में शहद का उपयोग घावों और जलन के उपचार के लिए भी किया जाता था। शहद को सुरक्षित रखने में प्राचीन मिस्रवासियों की संरक्षण पद्धति ने भी अहम भूमिका निभाई। वे शहद को मोटी दीवार वाले मिट्टी के बर्तनों में भरकर उन पर मोम या रेजिन की परत चढ़ाते थे और फिर उन्हें पूरी तरह सील कर देते थे। इन जारों को पिरामिडों और चूना पत्थर से बनी ठंडी, सूखी तथा अंधेरी संरचनाओं में रखा जाता था, जहां तापमान और नमी में बहुत कम बदलाव होता था। इस स्थिर वातावरण ने शहद को हजारों वर्षों तक सुरक्षित बनाए रखा। हाल के अध्ययनों से यह भी पता चला है कि समय के साथ शहद के कुछ औषधीय गुण कमजोर पड़ सकते हैं, लेकिन वह जहरीला नहीं बनता। वैज्ञानिकों का कहना है कि पुराने शहद में कुछ एंजाइमों की सक्रियता कम हो सकती है, जिससे उसके जीवाणुरोधी गुण घट जाते हैं। इसके बावजूद उसकी अम्लीय प्रकृति और सूक्ष्म जीवों को नष्ट करने वाली क्षमता काफी हद तक बनी रहती है।

न्यूज ब्रीफ

10 सालों में समुंद्र का सी लेवल हुआ डबल, इंसानी गलतियों ने किया तबाह

वाशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र की नई वर्ल्ड ओशियन असेसमेंट रिपोर्ट ने दुनिया की नींद उड़ा दी है। समुंद्र पहले से कहीं ज्यादा बड़े खतरे में है। पिछले 10 सालों में समुंद्र का सी लेवल बढ़ने की रफ्तार डबल हो गई है। इंसान की गलतियों ने समुंद्र को तबाह कर दिया है। पलूशन और बड़े लेवल पर हो रही इंडस्ट्रियल फिशिंग इसका मेन कारण है। रिपोर्ट के मुताबिक समुंद्र का इकोसिस्टम बहुत ज्यादा प्रेशर झेल रहा है। बायोडायवर्सिटी लगातार खत्म हो रही है। 86 देशों के 600 से ज्यादा साइंटिस्ट ने यह रिपोर्ट तैयार की है। 2021 से 2025 तक समंदर की हेल्थ को इसमें स्टडी किया गया है। इससे पहले 2018 की रिपोर्ट में भी मरीन एनवायरमेंट को हुए नुकसान की बात कही गई थी। साइंटिस्ट का कहना है कि इंसान ने समुंद्र को डस्टबिन बना दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक 2015 से पहले समुंद्र का पानी हर साल 2 मिलीमीटर बढ़ता था। 2023 में यह स्पीड बढ़कर 4.3 मिलीमीटर हो गई है। इसका सीधा मतलब है कि सी लेवल राइज डबल हो चुका है। पानी का गर्म होना भी एक बड़ा खतरा है। 1955 के बाद से समुंद्र जितना गर्म हुआ है, उसका 16 फीसदी हिस्सा सिर्फ 2018 के बाद रिकार्ड हुआ है। अटलांटिक ओशियन के साथ इंडियन ओशियन और पैसिफिक ओशियन के दक्षिणी हिस्से सबसे ज्यादा गर्म हो रहे हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि हम समुंद्र के बारे में बहुत कम जानते हैं। 2025 तक समुंद्र के सिर्फ 27 फीसदी हिस्से का ही मैप तैयार हो पाया है। समंदर का बहुत बड़ा हिस्सा आज भी एक रहस्य बना हुआ है। डीप सी इकोसिस्टम को समझना अभी भी वैज्ञानिकों के लिए चैलेंज है।

आफिस रोमांस दर्शकों के बीच नंबर वनः जेनिफर लोपेज

लास एंजेलस। अपनी आगामी फिल्म आफिस रोमांस को लेकर हालीवुड की मशहूर अभिनेत्री और बहुमुखी गायिका जेनिफर लोपेज सुर्खियों में हैं। जेनिफर लोपेज ने हाल ही में इस फिल्म की शूटिंग और अपने को-स्टार ब्रेट गोल्डस्टीन के साथ काम के अनुभव को लेकर एक पोस्ट साझा किया। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जेनिफर लोपेज ने कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वह अपने को-स्टार ब्रेट गोल्डस्टीन के साथ नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में दोनों की आन-स्क्रीन केमिस्ट्री और आपसी तालमेल साफ दिखाई दे रहा था। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक लंबा और हर्टफेल्ट कैप्शन भी लिखा। जेनिफर ने लिखा, यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि आफिस रोमांस दर्शकों के बीच नंबर वन पर है। ब्रेट गोल्डस्टीन का विशेष धन्यवाद, वह किसी भी अभिनेत्री के लिए सबसे बेहतरीन लीडिंग मैन हैं, जिसकी कोई भी उम्मीद कर सकता है। उनके साथ काम करना एक शानदार अनुभव रहा, और मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे उनके साथ स्क्रीन साझा करने का मौका मिला। इसके अलावा, जेनिफर लोपेज ने फिल्म के निर्देशक ओल पार्कर की भी तारीफ की और उन्हें एक शानदार और दूरदर्शी निर्देशक बताया। उन्होंने कहा, फिल्म को जिस तरह से पर्दे पर उतारा गया है, उसमें कड़ी मेहनत साफ झलकती है और पूरी टीम ने मिलकर इसे खास बनाया है।

मिडिल ईस्ट जंग पर 39 बार झूठा दावा कर चुके डोनाल्ड ट्रंप ने किया ऐलान

तेहरान/वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष को लेकर एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ युद्ध खत्म कर दिया है। हालांकि ईरान ने इस दावे की पुष्टि नहीं की है और कहा है कि अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। राष्ट्रपति ट्रंप ने जार्जिया में एक चुनावी रैली को वर्चुअल तरीके से संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध बंद कर दिया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान इस बात पर सहमत हो गया है कि वह कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। सोशल मीडिया पर किए गए अपने पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत ईरानी नेतृत्व के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच चुकी है और उसे मंजूरी मिल गई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के तौर पर उन्होंने ईरान के खिलाफ तय हमले और बमबारी को रद्द कर दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप के मुताबिक, बातचीत के प्रमुख बिंदुओं को अमेरिका, इजरायल, सऊदी अरब, यूएई, कतर, तुर्की, पाकिस्तान, बहरीन, कुवैत, जार्डन, मिस्र और अन्य संबंधित पक्षों ने मंजूरी दे दी है। उन्होंने यह भी कहा कि समझौता पूरी तरह तय होने तक नौसैनिक नाकेबंदी जारी रहेगी और हस्ताक्षर की जगह और समय की घोषणा जल्द की जाएगी। इस बीच कई रिपोर्टों में दावा किया गया है कि ट्रंप के इस ऐलान से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी हैरान रह गए। रिपोर्टों के मुताबिक, ट्रंप ने युद्ध बंद करने के फैसले की जानकारी पहले से इजरायल को नहीं दी थी। कहा जा रहा है कि अगर यह डील लागू होती है तो इजरायल को लेबनान में अपने सैन्य अभियान पर असर पड़ सकता है।

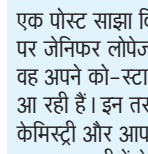

इंडोनेशिया खरीद रहा दक्षिण कोरिया का चियोंगुंग-2 सिस्टम

चीन को देगा मुंहतोड़ जवाब, यह दुश्मन के विमानों, क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराने में है सक्षम

जकार्ता

दक्षिण चीन सागर में इंडोनेशिया अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। इसके लिए इंडोनेशिया भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने की तैयारी कर रहा है। इसके अलावा उसने दक्षिण कोरिया की एमएसएएम-2 चियोंगुंग-2 सिस्टम की खरीद को हरी झंडी दे दी है। चियोंगुंग-2 दक्षिण कोरिया की उन्नत, मध्यम-दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है। इसे केएम-एसएएम ब्लाक 2 भी कहा जाता है। इसे खास तौर पर चीनी क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों, लड़ाकू विमानों और ड्रोन को नष्ट करने के लिए तैनात किया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रालय की लाजिस्टिक्स एजेंसी ने 18 मई 2026 को चियोंगुंग-2 मिसाइल सिस्टम बनाने वाली एलआईजी नेक्स1 की सहायक कंपनी एलआईजी डिफेंस एंड एयरोस्पेस को औपचारिक रूप से लेटर आफ इंट्रेस्ट जारी किया था। हालांकि, यह पत्र बाध्यकारी नहीं है कि इंडोनेशिया इसे खरीदे ही। यह डील बहुत कुछ फाइनेंसिंग की मंजूरी, पेमेंट और परफार्मेंस की गारंटी पर निर्भर है, लेकिन यह दिखाता है कि इंडोनेशिया मध्यम दूरी के एयर डिफेंस सिस्टम की कमी को दूर करना चाहता है। ऐसे डिफेंस सिस्टम की कमी की वजह से इंडोनेशिया में अहम बुनियादी ढांचे और समुद्री व्यापार मार्गों के अहम बिंदुओं पर खतरा बना रहता है।

रिपोर्ट के मुताबिक प्रस्तावित खरीद पैकेज में एंगेजमेंट कंट्रोल स्टेशन, मल्टी-फंक्शन रडार, वर्टिकल लान्च सिस्टम, ट्रांसपोर्टर-इरेक्टर-लान्चर, मिसाइल ट्रांसलोडर वाहन, स्पेयर पार्ट्स की इन्वेंट्री, तकनीकी दस्तावेज, इंटीग्रेटेड लाजिस्टिक्स सपोर्ट और टेक्नोलाजी-ट्रांसफर की व्यवस्था शामिल है। इन्हें इंडोनेशिया के घरेलू रक्षा-औद्योगिक इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए तैयार किया गया है। चियोंगुंग-2 सिस्टम को अपनाने का इंडोनेशिया का फैसला एक कई स्तरों वाले इंटीग्रेटेड एयर-एंड-मिसाइल डिफेंस सिस्टम को बनाने से संबंधित है, जो बैलिस्टिक मिसाइलों, क्रूज मिसाइलों, लोइटरिंग म्यूनिशन, ड्रोन और लंबी दूरी के सटीक हमले वाले प्लेटफार्म को मार गिरा सके। इंडोनेशिया मलक्का जलडमरूमध्य और सुंडा जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक जलमार्गों की सुरक्षा को लेकर भी चिंतित है।

उसे डर है कि होर्मुज की तरह यहां भी खतरा पैदा हो सकता है। अगर मलक्का या सुंडा जलडमरूमध्य में रुकावट आती है तो इसके पूरे इंडो-पैसिफिक समुद्री व्यापार नेटवर्क पर गंभीर सैन्य और आर्थिक परिणाम हो सकते हैं। इंडोनेशिया 17,000 से ज्यादा द्वीपों में फैला है, जिससे यहां रडार कवरेज, फाइटर इंटरसेप्शन कोआर्डिनेशन और सतह-से-हवा में मार करने वाली मिसाइलों की तैनाती करना काफी जटिल है। इससे ऐसी कमियां पैदा हुई हैं जिनका फायदा उठाया जा सकता है। यही कारण है कि इंडोनेशिया अपनी सुरक्षा को चाक चौबंद बनाना चाहता है।

चियोंगुंग-2 ने संयुक्त अरब अमीरात में ईरानी बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन हमलों के खिलाफ 96फीसदी की प्रभावशाली इंटरसेप्शन रेट हासिल की है। चियोंगुंग-2 सिस्टम दुश्मन के विमानों, क्रूज मिसाइलों और बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराने में पूरी तरह सक्षम है। चियोंगुंग-2 सिस्टम में 360-डिग्री कवरेज वाला उन्नत मल्टी-फंक्शन रडार और वर्टिकल कोल्ड-लान्च प्रणाली है, जो सभी दिशाओं से आने वाले खतरों से सुरक्षा देती है। चियोंगुंग-2 सिस्टम अमेरिकी पैट्रियट सिस्टम की तुलना में ज्यादा किफायती होने से कई देशों की पहली पसंद बनती जा रही है।

भारत से सीधा मुकाबला नहीं: पाकिस्तानी एक्सपर्ट ने परमाणु धमकी को बताया डर का नतीजा

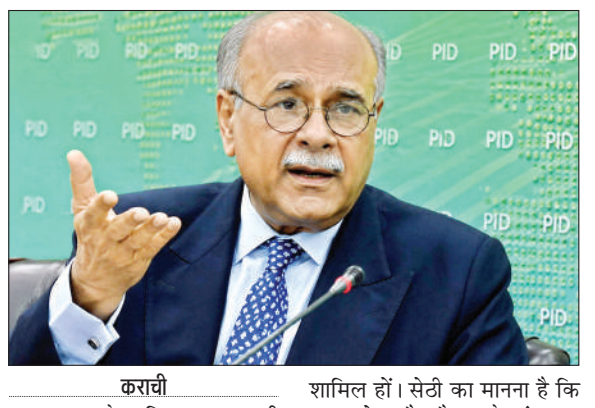

कराची

भारत के खिलाफ अपनी रणनीतियों के लगातार विफल होने और संभावित गंभीर परिणामों का एहसास होने के बाद, पाकिस्तान में अब नई सोच उभर रही है। पाकिस्तानी विशेषज्ञ अपने सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व को भारत से सीधे टकराव से बचने की सलाह दे रहे हैं, क्योंकि उन्हें समझ आ गया है कि भारत को घायल करने की कोई भी चाल अब उन पर ही भारी पड़ेगी।

पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार नजम सेठी ने हाल ही में इस बदलते रुख को स्पष्ट किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यह बहुत बचकाना होगा कि किसी एक हमले के जवाब में पाकिस्तान अपने लड़ाकू विमान भारत पर हमला करने भेज दें। सेठी ने भारत पर अफगानिस्तान के रास्ते पाकिस्तान में अस्थिरता फैलाने का आरोप लगाकर सुझाव दिया कि पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने इस मुद्दे को गंभीरता से उठाना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान को डोजियर तैयार करने की सलाह दी, जिसमें भारत द्वारा अफगानिस्तान के माध्यम से आतंकवाद को बढ़ावा देने के सबूत शामिल हों। सेठी का मानना है कि आज जो माहौल है, उसके अंदर यह बहुत बड़ा मुद्दा बन सकता है और विश्व की राजधानियों में यह बात गूंजनी चाहिए। उनका दावा था कि भारत के साथ दुनिया का रोमांस अब खत्म हो रहा है, जिससे पाकिस्तान की बात सुनने के लिए वैश्विक समुदाय अधिक तैयार होगा। हालांकि, सेठी ने भारत के साथ सीधे युद्ध के प्रति आगाह किया, क्योंकि उनके अनुसार इससे पाकिस्तान पर बहुत जल्दी परमाणु दबाव आ जाएगा। उन्होंने पाकिस्तान की परमाणु नीति का जिक्र कर कहा कि इसमें स्पष्ट है कि यदि पाकिस्तान के अस्तित्व को खतरा होता है, तब वह परमाणु विकल्प का इस्तेमाल करेगा। सेठी ने तर्क दिया कि यही कारण है कि पाकिस्तान ने कभी भी पहले परमाणु हथियार का उपयोग न करने की नीति को नहीं अपनाया, जबकि दुनिया के अन्य परमाणु शक्तियों ने इस स्वीकार किया है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पाकिस्तान की बार-बार की परमाणु धमकी दरअसल भारत के साथ संभावित युद्ध में अपनी निश्चित हार के डर को दर्शाती है।

पूर्व राष्ट्रपति को 30 साल अतिरिक्त जेल

सियोल। दक्षिण कोरिया की सियोल जिला अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को उत्तर कोरिया में ड्रोन भेजकर तनाव भड़काने के मामले में 30 साल अतिरिक्त जेल की सजा सुनाई है। अदालत ने माना कि इस अभियान का मकसद उत्तर कोरिया को उकसाकर आपात स्थिति पैदा करना और बाद में मार्शल ला लागू करने के लिए माहौल तैयार करना था। अदालत ने यून सुक योल, पूर्व रक्षा मंत्री किम योंग-ह्यून, डिफेंस काउंटर इंटेलिजेंस कमांड के पूर्व प्रमुख यो इन-ह्यांग और ड्रोन आपरेशन कमांड के पूर्व प्रमुख किम योंग-डे को देशद्रोह और सत्ता के दुरुपयोग का दोषी ठहराया। अदालत ने कहा कि इन अधिकारियों ने सैन्य अभियान की आड़ में उत्तर कोरिया को उकसाया, जिससे दोनों देशों के बीच सैन्य संघर्ष का खतरा बढ़ गया।

जहरीला पक्षी हूडेड पिटोहुई को छूने से जा सकती है जान

लंदन

क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा पक्षी भी है जिसे छूना इंसानों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है इस पक्षी को दुनिया का सबसे विषैला पक्षी माना जाता है। यह अनोखा और बेहद जहरीला पक्षी है हूडेड पिटोहुई, जो मुख्य रूप से न्यू गिनी के घने जंगलों में पाया जाता है। इस रहस्यमयी पक्षी की खोज 1980 के दशक में वैज्ञानिक जैक डंबाचर ने की थी। वे न्यू गिनी में अपने फील्डवर्क के दौरान थे, जब उन्होंने पहली बार इस पक्षी को पकड़ा। पक्षी को छूने के कुछ ही क्षणों बाद, जैक डंबाचर को अपने हाथों, आंखों और मुंह में एक तीखी जलन, झुनझुनी और सुन्नपन महसूस होने लगा। शुरुआती तौर पर उन्हें समझ नहीं आया कि ऐसा क्यों हो रहा है, लेकिन बाद में गहन जांच और शोध के बाद यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि इस पक्षी की त्वचा और पंखों में जानलेवा जहर मौजूद होता है। एक शोध रिपोर्ट में, जैक डंबाचर और उनकी टीम ने बताया कि हूडेड पिटोहुई के शरीर में बैट्राकोटाक्सिन नामक एक अत्यंत खतरनाक जहर पाया जाता है। यह वही शक्तिशाली टाक्सिन है जो कुछ बेहद विषैले मेंढकों में भी मिलता है। यह जहर पक्षी को अपने शिकारियों और परजीवियों से बचाने में एक प्रभावी सुरक्षा कवच का काम करता है। अगर कोई शिकारी इस पक्षी को खाने का प्रयास करता है, तो उसे इस जहर से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, या उसकी जान भी जा सकती है।

इस खोज का सबसे हैरान करने वाला पहलू यह था कि हूडेड पिटोहुई स्वयं अपने शरीर में इस जहर का निर्माण नहीं करता। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह पक्षी अपनी विशेष आहार प्रणाली के माध्यम से यह जहर प्राप्त करता है। यह मेलिरिड बीटल्स नामक जहरीले कीड़ों को खाता है, जिनमें प्राकृतिक रूप से बैट्राकोटाक्सिन मौजूद होता है। इन जहरीले कीड़ों को खाने के बाद, यह टाक्सिन धीरे-धीरे पक्षी की त्वचा और पंखों में जमा हो जाता है, जिससे पक्षी खुद जहरीला बन जाता है। हूडेड पिटोहुई के चमकीले काले और नारंगी रंग भी एक खास उद्देश्य पूरा करते हैं। इस घटना को अपोसेमेटिज्म कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि ऐसे चमकीले और विशिष्ट रंग अन्य जीवों को चेतावनी देते हैं कि यह प्राणी खतरनाक या जहरीला हो सकता है। यही कारण है कि न्यू गिनी के स्थानीय आदिवासी और समुदाय के लोग इस पक्षी से हमेशा दूरी बनाए रखते हैं। वहां के लोग इसे अक्सर रबिश बर्ड यानी बेकार पक्षी भी कहते हैं, क्योंकि यह उनके लिए किसी काम का नहीं और छूने से भी खतरा है। वैज्ञानिक समुदाय का मानना है कि दुनिया में ऐसे पक्षी बेहद कम हैं जो अपनी आत्मरक्षा के लिए जहर का उपयोग करते हैं। यही कारण है कि हूडेड पिटोहुई आज भी वैज्ञानिकों और वन्यजीव प्रेमियों के लिए गहन अध्ययन और आश्चर्य का विषय बना हुआ है।

आधुनिक डीएनए तकनीक ने ढूंढ निकाला भूतिया टेंट का सच

वाशिंगटन

अमेरिका के वाशिंगटन स्थित ओलंपिक नेशनल पार्क के घने जंगलों में 26 साल तक एक ऐसा राज दफन रहा, जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। एक बेहद सुनसान इलाके में पड़े पुराने टेंट के भीतर, स्लीपिंग बैग के अंदर मिला इंसानी कंकाल आखिर किसका था, यह सवाल दो दशकों से अधिक समय तक पुलिस, वैज्ञानिकों और परिजनों के लिए एक अबूझ पहेली बना रहा। अब आधुनिक फारेंसिक विज्ञान और डीएनए तकनीक ने इस गहरे रहस्य से पर्दा उठा दिया है। यह पूरी घटना किसी हालीवुड थ्रिलर फिल्म की तरह नजर आती है, जहां जंगल के बीचों-बीच एक टेंट में सोया हुआ इंसान फिर कभी जाग ही नहीं सका। इतने वर्षों तक इस बात का सुराग न मिल पाना कि उस व्यक्ति के साथ क्या हुआ था, लोगों में कौतूहल और डर दोनों पैदा कर रहा था। यह मामला सिर्फ एक लावारिस शव की पहचान का नहीं है, बल्कि उस असहनीय दर्द का भी है जिसे एक परिवार ने ढाई दशक से ज्यादा समय तक सीने में दबाए रखा। हाल ही में पार्क प्रशासन ने आधिकारिक खुलासा करते हुए बताया कि मृतक की पहचान जोसफ लुइस सेराओ जूनियर के रूप में हुई है। जोसफ मूल रूप से हवाई द्वीप का रहने वाला था और गायब होने से ठीक पहले वाशिंगटन में रह रहा था। परिजनों के मुताबिक, वर्ष 1998 के बाद से जोसफ का अपने परिवार से कोई संपर्क नहीं हुआ था और वे लगातार उसकी तलाश में भटक रहे थे। इस रहस्यमयी मामले की शुरुआत जुलाई 2000 में हुई थी, जब ओलंपिक नेशनल पार्क के सोल डक रिवर क्षेत्र में शोध कर रहे एक रिसर्चर को घने पेड़ों के बीच एक पुराना, जर्जर टेंट दिखाई दिया। जब उसने उत्सुकतावश टेंट के अंदर झांका, तो उसके होश उड़ गए। टेंट के भीतर एक स्लीपिंग बैग में इंसानी अवशेष सड़ चुके थे। सूचना मिलते ही पुलिस और फारेंसिक एक्सपर्ट्स की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन शव इस कदर क्षत-विक्षत हो चुका था कि उसकी तत्काल पहचान करना नामुमकिन था। शुरुआती जांच में अनुमान लगाया गया कि मौत करीब छह महीने पहले हुई होगी। मौके से कोई पहचान पत्र, पर्स या ठोस सुराग नहीं मिलने के कारण यह मामला धीरे-धीरे अमेरिका के सबसे पेचीदा कोल्ड केस की फाइलों में बंद हो गया। लगभग 24 साल बाद, इस ठंडे पड़ चुके मामले में एक अभूतपूर्व मोड़ आया। एक मेडिकल एक्जामिनर आफिस ने आधुनिक डीएनए जांच का सहारा लेने का फैसला किया। इसके लिए एक एडवांस फारेंसिक जीनियोलाजी लैब को जांच का जिम्मा सौंपा गया। वैज्ञानिकों ने दशकों पुराने कंकाल के अवशेषों से बेहद सावधानीपूर्वक डीएनए निकाला और संभावित पारिवारिक कड़ियों की तलाश शुरू की। महीनों की जटिल जेनेटिक मैपिंग और कड़ी मेहनत के बाद आखिरकार एक सटीक मैच मिल गया। इसके बाद आधिकारिक बयान जारी कर पुष्टि की गई कि वह शव जोसफ लुइस सेराओ जूनियर का ही था। अधिकारियों का कहना है कि अगर आधुनिक डीएनए तकनीक इतनी उन्नत न होती, तो यह रहस्य हमेशा के लिए जंगल की परतों में ही दफन रह जाता। हालांकि, पहचान उजागर होने के बावजूद सबसे बड़ा सवाल अब भी अनुत्तरित है कि आखिर जोसफ की मौत कैसे हुई प्रशासन ने अब तक मौत के वास्तविक कारणों, जैसे कि यह हत्या थी, कोई दुर्घटना थी या प्राकृतिक मौत, इसका खुलासा नहीं किया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

भविष्य में अगर आपको आर्थिक रुप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। अनपेक्षित रोमांटिक आकर्षण की संभावना है। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। लंबे समय के बाद आप भरपूर नींद का मज़ा ले पाएंगें

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा– लेकिन साथ ही ख़र्चों में भी इज़ाफ़ा होगी। पारिवारिक तनावों को अपना ध्यान भंग न करने दें। ख़राब दौर हमें बहुत–कुछ देता है। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप दोनों एक–दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकें। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फुर्सत के पल मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन में सूखे–सर्दीले दौर के बाद आपको धूप नसीब हो सकती है। सोशल मीडिया पर ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त गुज़ारना न केवल समय की बर्बादी है, बल्कि सेहत के लिहाज़ से भी अच्छा नहीं है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज–मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। यूं तो आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। यात्राओं से तुरंत लाभ तो नहीं होगा, लेकिन इसके चलते अच्छे भविष्य की नींव रखी जाएगी। रात को आज आप अपने किसी करीबी के साथ घूमने जा सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। सबको अपनी महफ़िल में दावत दें। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ध्यान और योग आपकी मानसिक मज़बूती को बढ़ाने में कारगर रहेंगे। आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड ख़राब हो सकता है। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। ताज़ा फूल की तरह अपने प्यार में भी ताज़गी बनाए रखें। आज का दिन फ़ायदेमंद साबित होगा, क्योंकि ऐसा लगता है कि चीज़ें आपके पक्ष में जाएंगी और आप हर काम में अव्वल रहेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज जिन लोगों ने किसी अनजान शख्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौक़ा है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज आपका दुःख बर्फ़ की तरह पिघल जाएगा। अपनी ख़ासियत और भविष्य की योजनाओं पर फिर से सोचने का समय। यह बात आज आपके ज़ुबान पर आ सकती है क्योंकि आप के घर में आज स्वादिष्ट भोजन बन सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता–पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। अपने प्रिय की बातों के प्रति आप ज़रूरत से ज़्यादा संवेदनशील रहेंगे– आपको अपने जज़्बात पर क़ाबू रखने की ज़रूरत है और ऐसा कुछ करने से बचें जो मामले को और भी बिगाड़ दे। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि ज़्यादा लोगों से मिलकर आप परेशान हो जाते हैं और फिर अपने लिए वक्त निकालने की कोशिश करने लग जाते हैं। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है। आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रफ़्तार को बरक़रार रखिए। बिना किसी अनुभवी शख़्स की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक़्क़त महसूस करेंगे। अपने प्रिय से कुछ भी तल्ख़ कहने से बचें– नहीं तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। जिन लोगों ने जमीन ख़रीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा ख़रीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का क़ीमती वक्त ख़राब हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएँ उसके प्रति सावधान रहें। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। परिवार में किसी बुज़ुर्ग की ख़राब तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। संभव है कि आज आप लज़ीज़ खाने का लुत्फ़ उठा सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। किसी ख़ूबसूरत याद के कारण आपके और आपके जीवनसाथी के बीच की अनबन रुक सकती है। इसलिए वाद–विवाद की हालत में पुराने दिनों की यादों को ताज़ा करना न भूलें। सोच–समझकर फ़ैसला करें कि आप किसके साथ बाहर जाने वाले हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप ख़ुद को बेहतर और आत्मविश्वास से भरा हुआ महसूस करेंगे। सिर्फ़ अक़्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा– इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच–समझ कर लगाएँ। छोटे बच्चे आपको व्यस्त रखेंगे और दिली सुकून देंगे। अपने प्रिय के साथ आज अच्छी तरह बर्ताव करें। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं वैवाहिक जीवन के कुछ साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 14 जून 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी दोपहर 12:22 तक
नक्षत्र : रोहिणी रात्रि 10:15 तक
योग : धृति दोपहर 01:14 तक
करण : शकुन दोपहर 12:22 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 05:41,सूर्यास्त 06:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34, सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड़ खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पितृ कार्य अमावस्या, अधिक मास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अग्रवाल समाज तेलंगाना की ऐतिहासिक पहल

230 श्रद्धालुओं को कराई निशुल्क हवाई जगन्नाथ पुरी तीर्थ यात्रा

पुरुषोत्तम मास की पावन ग्यारस पर 11 वर्षों बाद बने दुर्लभ महा–संयोग में मिले वीआईपी दर्शन

पहली बार हवाई यात्रा करने वाले जरूरतमंद परिवारों के लिए पांच सितारा आवास और विश्वस्तरीय व्यवस्थाएं

समाज सेवा, धार्मिक जागरण और सांस्कृतिक मूल्यों का बना प्रेरणादायी उदाहरण

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा ङ्गप्रोजेक्ट तीर्थ संकल्पफ के अंतर्गत समाज के जरूरतमंद परिवारों के लिए एक अभूतपूर्व, भव्य एवं निशुल्क धार्मिक यात्रा का सफल आयोजन किया गया। अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता की प्रेरणा तथा श्री रघुनाथमल गीताबाई चैरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से आयोजित इस ङ्गश्री जगन्नाथ पुरी धाम धार्मिक यात्राफ में कुल 230 श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

11 एवं 12 जून को संपन्न हुई इस ऐतिहासिक यात्रा के दौरान हैदराबाद से भुवनेश्वर और भुवनेश्वर से हैदराबाद तक की संपूर्ण हवाई यात्रा, पांच सितारा आवास, सात्विक भोजन तथा दर्शन की समस्त व्यवस्था का खर्च ट्रस्ट द्वारा वहन किया गया। यात्रा में विशेष रूप से उन जरूरतमंद परिवारों को प्राथमिकता दी गई, जो आर्थिक कारणों से तीर्थ यात्रा करने में असमर्थ थे।

11 वर्षों बाद बने दुर्लभ संयोग में मिला दर्शन का सौभाग्य

यात्रा 11 जून को हैदराबाद एयरपोर्ट से आरंभ हुई। भुवनेश्वर एयरपोर्ट पहुंचने पर अग्रवाल समाज भुवनेश्वर के सदस्यों ने सभी तीर्थयात्रियों का आत्मीय एवं भव्य स्वागत किया। इसके पश्चात छह वातानुकूलित बसों एवं वाहनों के काफिले के साथ श्रद्धालु पुरी धाम पहुंचे।

स्थानीय प्रशासन के विशेष सहयोग से सभी 230 श्रद्धालुओं को श्री जगन्नाथ मंदिर में वीआईपी दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। 11 जून की संध्या को पुरी स्थित आलीशान ङ्गहॉलिडे एन रिज़ॉर्टफ में सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम तथा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जो यात्रा के सबसे भावुक एवं गौरवपूर्ण क्षणों में से एक रहा। इस अवसर पर ओडिशा के सामाजिक, राजनीतिक एवं व्यावसायिक जगत की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

मुख्य पुजारी ने बताया अलौकिक और दुर्लभ अवसर

श्री जगन्नाथ मंदिर के श्रृंगारी पुजारी एवं प्रधान सेवक श्री वासुदेव जी विशेष रूप से श्रद्धालुओं से मिलने हॉलिडे एन रिज़ॉर्ट पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह अवसर अत्यंत दुर्लभ एवं पुण्यदायी है।

उन्होंने कहा, 11 जून का यह दिन साधारण नहीं है। कालगणना के अनुसार ऐसा पावन संयोग 11 वर्षों में केवल एक बार आता है। पुरुषोत्तम मास की पावन ग्यारस (एकादशी) पर भगवान श्री जगन्नाथ के दर्शन करना अत्यंत पुण्यदायी माना गया है। इस दिव्य अवसर पर दर्शन प्राप्त होना प्रभु की विशेष कृपा का प्रमाण है।

मुख्य पुजारी ने सभी श्रद्धालुओं को महाप्रसाद एवं पवित्र स्मृति–चिह्न प्रदान कर आशीर्वाद दिया।

नई पीढ़ी को संस्कृति से जोड़ने वाला प्रेरणादायी प्रयास

कार्यक्रम में उपस्थित ओडिशा भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल ने अग्रवाल समाज तेलंगाना एवं श्री रघुनाथमल गीताबाई ट्रस्ट के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में लोग मनोरंजन और पर्यटन के लिए विदेशों की ओर आकर्षित होते हैं, लेकिन अग्रवाल समाज तेलंगाना ने समाज के जरूरतमंद लोगों को तीर्थ यात्रा कराकर एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपराओं और गौरवशाली विरासत से जोड़ने वाला एक संस्कार अभियान है।

इस अवसर पर मुख्य पुजारी श्री वासुदेव जी, श्री अजय अग्रवाल, प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री महेंद्र अग्रवाल, समाजसेवी श्री अक्षय खंडेलवाल, श्री प्रवीण अग्रवाल तथा मारवाड़ी युवा मंच, भुवनेश्वर इकाई के पदाधिकारियों को समाज हित में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

पहली हवाई यात्रा और पांच सितारा आतिथ्य बना यादगार अनुभव

समाज के अनेक जरूरतमंद भाई–बहनों के लिए यह जीवन की पहली हवाई यात्रा थी। पुरी स्थित पांच सितारा ङ्गहॉलिडे एन रिज़ॉर्टफ में ठहरना, विश्व–तरीय आतिथ्य सेवाओं का अनुभव लेना तथा समुद्र तट की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद उठाना उनके लिए अविस्मरणीय अनुभव रहा। श्रद्धालुओं ने पुरी समुद्र तट का भ्रमण किया तथा प्रसिद्ध बेड़ी हनुमान मंदिर के दर्शन भी किए।

साक्षी गोपाल और लिंगराज मंदिर में भी किए दर्शन

12 जून की सुबह सभी श्रद्धालुओं ने भुवनेश्वर स्थित ऐतिहासिक साक्षी गोपाल मंदिर तथा भगवान शिव के प्राचीन एवं प्रसिद्ध लिंगराज मंदिर में दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। साक्षी गोपाल मंदिर के दर्शन के दौरान श्रद्धालु विशेष रूप से भाव–विभोर दिखाई दिए, क्योंकि जगन्नाथ पुरी यात्रा में साक्षी गोपाल जी के दर्शन का विशेष महत्व माना जाता है।

भुवनेश्वर अग्रवाल समाज ने दिखाई अतुलनीय सेवा भावना

यात्रा के दूसरे दिन भुवनेश्वर पहुंचने पर अग्रवाल समाज भुवनेश्वर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सेवा और अपनत्व की अनूठी मिसाल पेश की। उन्होंने सभी 230 श्रद्धालुओं एवं प्रबंधन टीम के लिए उत्कृष्ट भोजन, विश्राम हेतु कमरों तथा उच्चस्तरीय हाई–टी की विशेष व्यवस्था की।

भुवनेश्वर अग्रवाल समाज ने अग्रवाल समाज तेलंगाना की इस विशाल निशुल्क हवाई तीर्थ यात्रा की भूरि–भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर आयोजित विशेष सभा में अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल, सलाहकार श्री गोपाल मोर, सलाहकार श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (दिल्ली वाले) तथा संपूर्ण प्रबंधन टीम को शॉल, स्मृति–चिह्न एवं पटका पहनाकर सम्मानित किया गया।

हैदराबाद और भुवनेश्वर के अग्रवाल समाजों का यह मिलन यात्रा के सबसे सुंदर और स्मरणीय क्षणों में शामिल रहा।

यात्रा की समाप्ति पर भुवनेश्वर एयरपोर्ट पर सभी यात्रियों को यात्रा हेतु विशेष भोजन पैकेट भी भेंट किए गए।

नेतृत्व और टीमवर्क से बनी ऐतिहासिक सफलता

12 जून की रात्रि सभी श्रद्धालु सकुशल हैदराबाद लौट आए। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता एवं कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल ने सभी सहयोगियों, स्वयंसेवकों और समाज बंधुओं का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि लोगों में धार्मिक चेतना जागृत करने तथा उन परिवारों को तीर्थ दर्शन का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से यह निशुल्क यात्रा आयोजित की गई, जो विभिन्न कारणों से तीर्थ स्थलों तक नहीं पहुंच पाते।

यात्रा की अभूतपूर्व सफलता में वरिष्ठ सलाहकार श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (दिल्ली वाले) एवं सलाहकार श्री गोपाल मोर का विशेष योगदान रहा। संपूर्ण योजना, समन्वय एवं वीआईपी व्यवस्थाओं को सफल बनाने में उनके अथक प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सभी श्रद्धालुओं ने जताया आभार

इस सफल यात्रा में अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, गोपाल मोर, सुरेश कुमार अग्रवाल (दिल्ली वाले), मंत्री डॉ. सीमा जैन, उपाध्यक्ष हरिगोविंद प्रसाद, सहमंत्री सीए प्रतीक नरसरिया, कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल, रामनिवास गुप्ता, डॉ. सुरेश सिंघल, सुरेश टंडन, डॉ. अशोक केडिया, मनोज लाला तथा समाज के समस्त स्टाफ का विशेष सहयोग रहा।

इसके अतिरिक्त पूजनीय (स्व.) रघुनाथमल गीताबाई गोयल के परिवार के सभी सदस्य प्रारंभ से अंत तक यात्रा में सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। गोयल परिवार ने श्रद्धालुओं की सेवा कर आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।

सभी श्रद्धालुओं ने उत्कृष्ट, व्यवस्थित एवं वीआईपी स्तर की व्यवस्थाओं के लिए नेतृत्वकर्ता टीम की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए अग्रवाल समाज तेलंगाना एवं श्री रघुनाथमल गीताबाई चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। श्रद्धालुओं ने इस यात्रा को अपने जीवन की सबसे प्रेरणादायी, आध्यात्मिक और अविस्मरणीय यात्रा बताते हुए कहा कि यह केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि समाज की एकता, संगठन शक्ति, निस्वार्थ सेवा भावना और सांस्कृतिक मूल्यों का जीवंत उदाहरण है, जो लंबे समय तक प्रेरणा देता रहेगा।

सेवा, समर्पण और संस्कारों का अद्भुत संगम बना राधे–राधे ग्रुप : रामलाल कुमावत

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजन में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास शनिवार को नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सेवा भाव से जुड़े सदस्यों ने भाग लेकर जरूरतमंदों की सहायता की तथा मानव सेवा के संकल्प को और अधिक मजबूत किया।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए रामलाल कुमावत (लारना) ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप आज केवल एक संस्था नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, संस्कार और मानवता का पर्याय बन चुका है। यह ग्रुप बिना किसी भेदभाव के समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब किसी जरूरतमंद के चेहरे पर भोजन पाकर संतोष और मुस्कान दिखाई देती है, तब सेवा का वास्तविक उद्देश्य सार्थक होता है। राधे–राधे ग्रुप के माध्यम से प्रत्येक सदस्य समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन कर रहा है, जो अत्यंत प्रेरणादायक है।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में अन्नदान को महादान कहा गया है और राधे–राधे ग्रुप इसी महान परंपरा को आगे बढ़ाते हुए नियमित रूप से सेवा कार्यों का संचालन कर रहा है। ग्रुप के कार्यों से समाज में प्रेम, भाईचारा, सहयोग और सद्भावना का वातावरण निर्मित हो रहा है। यह संगठन लोगों को केवल सेवा ही नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय मूल्यों से भी जोड़ रहा है।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने सेवा कार्यों को और अधिक व्यापक बनाने का संकल्प लिया तथा समाज के प्रत्येक वर्ग तक सहायता पहुंचाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। सभी ने राधे–राधे ग्रुप द्वारा किए जा रहे निरंतर सेवा कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगत राम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, रामलाल कुमावत (लारना), गजराज श्रीश्रीमाल जैन, पाबूराम कुमावत, भाकरराम कुमावत, कमलादेवी कुमावत, जगन गुप्ता, महेश गुप्ता एवं सुशील गुप्ता सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

पुरुषोत्तम मास में मंत्र जैपिंग कार्यक्रम का आयोजन

मंत्र जाप से मन की शुद्धि और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है : सद्गुरु रमेशजी

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हाउस ऑफ एनलाइटमेंट द्वारा पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर ङ्गमंत्र जैपिंगफ कार्यक्रम का आयोजन किंग कोठी स्थित भारतीय विद्या भवन में सद्गुरु रमेशजी एवं गुरुमाँ के सान्निध्य में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर विश्व कल्याण, शांति एवं आध्यात्मिक उन्नति की कामना की।

इस अवसर पर सद्गुरु रमेशजी ने कहा कि मंत्र रूपी हवन में सभी अक्षरों की आहुति देकर उन्हें अग्नि में भस्म करना चाहिए, जिससे मन शुद्ध होता है तथा जीवन में कल्याण, शांति, सुख और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि भावपूर्वक किया गया प्रत्येक कर्म जीवन में अवश्य फलित होता है, इसलिए भावों की शुद्धि अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने आगे कहा कि मंत्र जाप के माध्यम से संचित कर्मों के बंधनों से मुक्ति प्राप्त होती है तथा साधक के लिए मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। सद्गुरु रमेशजी ने बताया कि पुरुषोत्तम मास में किया गया मंत्र जाप सामान्य दिनों की अपेक्षा हजार गुना अधिक फलदायी माना गया है। कार्यक्रम के दौरान ॐ अभिषेक, विकोण मंत्र साधना, मंत्र हवन तथा मंत्र रैप सहित विभिन्न आध्यात्मिक अनुष्ठान संपन्न किए गए। श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धा भाव से सहभागिता कर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता उमाशंकर मलयाद्री के नेतृत्व में अधिवक्ताओं, प्रतिष्ठित चिकित्सकों, रियल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों, प्रोफेसरों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट हस्तियों ने भाग लिया। इनमें से अनेक लोगों ने पहली बार सद्गुरु रमेशजी के कार्यक्रम में शामिल होकर स्वयं को धन्य और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध अनुभव किया।

कार्यक्रम का समापन सामूहिक प्रार्थना एवं विश्व शांति की मंगलकामना के साथ हुआ।

रुद्राक्ष का आध्यात्मिक और औषधीय महत्व

हिंदू धर्म में सदियों से पूजा-पाठ, यज्ञ, हवन जैसे शुभ कार्यों में रुद्राक्ष का प्रयोग किया जाता है। रुद्राक्ष के बिना कोई भी धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण नहीं होता। अब तो वैज्ञानिक अनुसंधानों के माध्यम से पूरी दुनिया में रुद्राक्ष की गुणवत्ता साबित हो चुकी है। इसके अद्भुत औषधीय गुण प्रयोगशाला में जांच के बाद सही साबित हुए है। इसे धारण करने से शरीर स्वस्थ और मन शांत रहता है।

उत्पत्ति की कथा

वस्तुत: रुद्राक्ष शब्द का संधि विच्छेद है- रुद्र+अक्षि। अर्थात भगवान शिव का नेत्र। इसकी उत्पत्ति और नामकरण के पीछे यह कथा प्रचलित है कि त्रिपुरासुर का वध करते समय रुद्रावतार धारण किए भगवान शंकर की आंखों से बहने वाला जल रुद्राक्ष के रूप में पृथ्वी पर साकार हुआ। इसकी उत्पत्ति के संबंध में यह भी कहा जाता है कि जब हिमालय की पुत्री सती ने स्वयं को हवन कुंड में समाहित कर दिया था तो भगवान शिव ने रौद्र रूप धारण कर लिया था और सती का शव कंधे पर उठा कर ब्रह्मांड का विनाश करने के लिए तांडव नृत्य करने लगे। शिव जी को रोकने के लिए भगवान विष्णु ने अपना सुदर्शन चक्र चलाया, जिससे सती के शरीर के कई टुकड़े हो गए। टुकड़े जहां-जहां हिस्सों में गिरे, वहां-वहां शक्तिपीठ की स्थापना हुई। अंत में भगवान शिव के शरीर पर सिर्फ सती के शरीर का भस्म रह गया। जिसे देखकर वह रो पड़े। इस तरह भगवान शिव के आंसुओं से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई।

स्वास्थ्यवर्धक औषधि

रुद्राक्ष एक वनस्पति है। इसके पेड़ पर बेर जैसे फल लगते है। ये पेड़ हिमालय की तराई में पाए जाते है। रुद्राक्ष के प्रभाव से आसपास का संपूर्ण वातावरण शुद्ध हो जाता है। इसे रातभर भिगोकर रखने के बाद और प्रात:काल नियमित रूप से खाली पेट इसका पानी पीना हृदय रोगियों के लिए बहुतलाभदायक साबित होता है।

मान्यता के अनुसार, 1 से लेकर 35 मुंह तक के रुद्राक्ष उपलब्ध है। विविध कार्यसिद्धि के लिए विभिन्न रुद्राक्ष उपयोग में लाए जाते है। लेकिन गौरी-शंकर नामक संयुक्त रुद्राक्ष, पैंतीस मुखी एवं एकमुखी रुद्राक्ष बहुत कम प्राप्त होते है। पुराना रुद्राक्ष अधिक प्रभावशाली होता है।

रुद्राक्ष के विभिन्न प्रकार

रुद्राक्ष की अलग-अलग किस्मों के लाभ भी अलग होते है। यहां प्रस्तुत है रुद्राक्ष के प्रमुख प्रकार और उनके फायदे:

- एकमुखी रुद्राक्ष: यह आंख, नाक, कान और गले की बीमारियों को दूर करने में सहायक होता है।
- द्विमुखी रुद्राक्ष: यह मस्तिष्क की शांति, धैर्य और सामाजिक प्रतिष्ठा की वृद्धि में सहायक होता है। साथ ही इसे धारण करने से पाचन तंत्र संबंधी समस्याएं भी काफी हद तक दूर हो जाती है।

- पंचमुखी रुद्राक्ष: यह पंच ब्रह्म तत्व का प्रतीक है। यह युवाओं के जीवन को सही दिशा देता है। इससे धन और मान-सम्मान में वृद्धि होती है और यह उच्च रक्तचाप को भी नियंत्रित करता है।
- सप्तमुखी रुद्राक्ष: यह भगवान कार्तिकेय का प्रतीक माना जाता है तथा इसे धारण करने से आंखों की दृष्टि में वृद्धि होती है।

आमतौर पर चतुर्मुखी रुद्राक्ष शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के लिए, पंचमुखी रुद्राक्ष नित्य जप के लिए, षड्मुखी रुद्राक्ष पुत्र प्राप्ति के लिए, चतुर्दश एवं पंचदशमुखी रुद्राक्ष लक्ष्मी प्राप्ति के लिए तथा इक्कीस मुखी रुद्राक्ष ज्ञान प्राप्ति के लिए धारण करने की प्रथा है।

कैसे धारण करे रुद्राक्ष

रुद्राक्ष स्वभाव से ही प्रभावी होता है, लेकिन यदि उसे विशेष पद्धति से सिद्ध किया जाए तो उसका प्रभाव कई गुना अधिक हो जाता है। अगर जप के लिए रुद्राक्ष की माला सिद्ध करनी हो तो सबसे पहले उसे पंचगव्य में डुबोएं, फिर साफ पानी से धो लें। हर मनके पर 'ईशान: सर्वभूतानां' मंत्र का 10 बार जप करे।

यदि रुद्राक्ष के सिर्फ एक मनके को सिद्ध करना हो तो पहले उसे पंचगव्य से स्नान कराएं और उस पर गंगाजल का छिड़काव करें। उसके बाद षोडशोपचार से पूजा करके उसे चांदी के डिब्बे में रखें। हाथों में कुश लेकर उसका स्पर्श रुद्राक्ष से करके इच्छित इष्टमंत्र का जप करे।

विविध रुद्राक्ष विभिन्न कार्यो के लिए काम में लाए जाते है। इसलिए उनके मंत्र एवं सूक्त भी अलग-अलग है। श्रीसूक्त, विष्णुसूक्त, पवमान रुद्र, मन्युसूक्त, चतुर्दश प्रणवात्मक महामृत्युंजय, शांतिसूक्त, रुद्रसूक्त तथा सौरसूक्त आदि का उपयोग कार्यानुसार रुद्राक्ष सिद्धि के लिए किया जाता है। रुद्राक्ष सिद्ध करना सहज है, लेकिन उसकी सिद्धि बनाए रखना मुश्किल है। असत्य वचन और बुरे व्यवहार आदि कारणों से रुद्राक्ष की सिद्धि कम हो जाती है। अत: इसे धारण करने वाले व्यक्ति को सदाचार का पालन करना चाहिए।

गले में 108 या 32 रुद्राक्षों की माला पहनने की प्रथा है। हाथों में भी 27, 54 या 108 रुद्राक्षों की माला पहननी चाहिए। भगवान शिव का पूजन करते समय रुद्राक्ष अवश्य धारण करे। शरीर से रुद्राक्ष का स्पर्श होना स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होता है।

घर की पूर्व दिशा में बनवाएं सीढ़ियां

वास्तु

यदि मकान बहुमंजिला है तो उसमें सीढ़ियां अवश्य होंगी। वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर का प्रत्येक हिस्सा महत्वपूर्ण होता है और घर के सदस्यों पर उनका विशेष प्रभाव भी होता है। अत: वास्तु के अंतर्गत सीढ़ियों के संबंध में कुछ जरूरी बातें बताई गई हैं। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

- सीढ़ियों का उतार-चढ़ाव ढलान के अनुसार ही होना चाहिए। सीढ़ियों पर पूर्व से पश्चिम की तरफ या उत्तर से दक्षिण की तरफ चढ़ाई हो सकती हैं।
- यदि सीढ़ियां बीच में घुमावदार हों तो यह घुमाव चढ़ते समय क्लॉकवाइज यानी बाएं से दाएं होनी चाहिएं। चूंकि पृथ्वी भी इसी दिशा में घूमती है और चढ़ते समय एनर्जी भी अधिक खर्च होती है, इसलिए क्लॉकवाइज घूमते हुए ही चढ़ना चाहिए ताकि अतिरिक्त ऊर्जा न लगानी पड़े।
- चूंकि उतरते समय कम ऊर्जा की आवश्यकता होती है, इसलिए एंटी-क्लॉकवाइज घूमते हुए भी उतरा जा सकता है।
- बड़े भवनों में नीचे से दो तरफ़ से सीढ़ियां चढ़ाई जाती हैं और घुमाव के स्थान पर मिलाते हुए ऊपर कर दी जाती है अथवा नीचे से एक सीढ़ी चढ़ाते हुए घुमाव के स्थान पर दो भागों में दो तरफ़ चढ़ा दी जाती है, इससे चढ़ते व उतरते समय क्लॉकवाइज घूमा जा सकता है।
- यदि सीढ़ियां बिल्कुल सीधी हैं और बीच में कोई

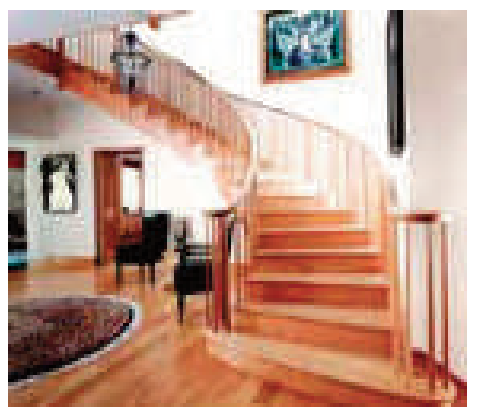

घुमाव नहीं है तब भी छत पर प्रवेश करते समय घड़ी की सुइयों की दिशा में ही दरवाजा होना चाहिए ताकि छत के कमरे में प्रवेश करते समय क्लॉकवाइज घूमना पड़े। एंटी-क्लॉकवाइज घुमाव वाला दरवाजा न रखें। यदि सीढ़ियां सीधे ही छत के कमरे में प्रवेश करती हों तब किसी परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

- भवन के मध्य भाग में कोई पिलर अथवा सीढ़ियां नहीं बनवाई जानी चाहिएं।
- वास्तु सम्मत सीढ़ियां भवन के पूर्व या दक्षिण दिशा में बनवाई जानी चाहिएं।

जानें, किस तरह पानी की स्थिति दिलाती है घर में परेशानी से निजात

पानी का बर्तन रसोई के उत्तर-पूर्व या पूर्व में भरकर रखें। घर में पानी सही स्थान, सही दिशा में रखने से परिवार का स्वास्थ्य अनुकूल व सुख-समृद्धि में वृद्धि होती ।

पानी का बर्तन रसोई के उत्तर-पूर्व या पूर्व में भरकर रखें। घर में पानी सही स्थान पर और सही दिशा में रखने से परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य अनुकूल रहता है और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

पानी का स्थान ईशान कोण है अत: पानी का भण्डारण अथवा भूमिगत टैंक या बोरिंग पूर्व, उत्तर या पूर्वोत्तर दिशा में होनी चाहिए। पानी को ऊपर की टंकी में भेजने वाला पंप भी इसी दिशा में होना चाहिए।

दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पश्चिम अथवा दक्षिण-पश्चिम कोण में कुआं अथवा ट्यूबवेल नहीं होना चाहिए। इसके लिए उत्तर-पूर्व कोण का स्थान उपयुक्त होता है। इससे वास्तु का संतुलन बना रहता है।

अन्य दिशा में कुआं या ट्यूबवेल हो, तो उसे भरवा दें और यदि भरवाना संभव न हो, तो उसका उपयोग न करें। नहाने का कमरा पूर्व दिशा में शुभ होता है।

ध्यान रखें, घर के किसी नल से पानी नहीं रिसना चाहिए अन्यथा भुखमरी की स्थिति पैदा हो सकती है।

ओवर हेड टैंक उत्तर और वायव्य कोण के बीच होना चाहिए। टैंक का ऊपरी भाग गोल होना चाहिए।

लंका में प्रवेश और लंकिनी पर प्रहार

सौ योजन चौड़े विशाल समुद्र को पार कर हनुमान जी आकाश में उड़ते हुए शीघ्र ही लंका नगरी के निकट जा पहुंचे। वहां का दृश्य बड़ा ही सुहावना था। चारों ओर तरह-तरह के सुंदर वृक्ष लगे हुए थे। सुंदर-सुंदर फूल खिले हुए थे। भांति-भांति के पक्षी आनंद में चहक रहे थे।

शीतल, मंद, सुगंधित हवा बह रही थी। बड़ा ही मनमोहक दृश्य था लेकिन श्री हनुमान जी का मन इस समय प्राकृतिक छटा में बिना डूबे लंका में प्रवेश की योजना बनाने में खोया हुआ था। महावीर हनुमान जी ने सोचा कि माता सीता जी को रावण ने जिस स्थान पर छुपा कर रखा है उसका पता तो मुझे लगाना ही है और साथ ही मुझे यहां के बारे में अन्य आवश्यक बातें भी जान लेनी चाहिएं। मुझे यहां पूरी सेना के ठहरने लायक स्थान, जल-फल की सुविधा आदि का पता भी करना चाहिए। रावण का दुर्ग (किला) दूर से ही देखने पर अत्यंत दुर्गम मालूम पड़ता है।

अत: युद्ध के विचार से इसकी एक-एक बात का पता लगा लेना भी आवश्यक है परन्तु अपने असली रूप में और वह भी दिन के उजाले में इस नगरी में प्रवेश करना तो बहुत बड़ी भूल होगी। इसीलिए रात्रि के समय सबके सो जाने पर सूक्ष्म वेश धारण करके ही मेरा इस नगरी में प्रवेश करना उचित होगा। रात हो जाने पर मच्छर के समान अत्यंत छोटा रूप बन कर तथा मन ही मन प्रभु श्री राम चंद्र जी का स्मरण करते हुए हनुमान जी ने लंका में प्रवेश किया। चारों ओर भयानक व विकराल राक्षस-राक्षसियों का पहरा था।

वह नगरी बहुत अच्छी तरह से बसाई गई थी। सड़कें-चौराहे सब बहुत ही सुंदर थे। उसके चारों ओर समुद्र था। पूरी नगरी सोने की बनी हुई थी। स्थान-स्थान पर सुंदर बगीचे और जलाशय बने हुए थे। हनुमान जी अत्यंत सावधानी के साथ आगे बढ़ ही रहे थे कि लंका की रक्षा करने वाली लंकिनी राक्षसी ने उन्हें पहचान लिया। उसने आगे बढ़ कर हनुमान जी को डराते हुए कहा, ''अरे! तू कौन है? जो चोर की तरह छिप कर लंका में प्रवेश कर रहा है। क्या तुझे यह पता नहीं है कि लंका में घुसने वाले चोर ही मेरे आहार हैं? इससे पहले कि मैं तुझे खा जाऊं-तू अपना सारा रहस्य बता दे कि यहां क्यों आया है?''

हनुमान जी ने सोचा कि यदि मैं इससे किसी प्रकार का विवाद करता हूं तो शोर सुनकर बहुत से राक्षस यहां इकटठे हो जाएंगे। अत: मुझे इसे बेहोश करके आगे बढ़ जाना चाहिए। यह सोचकर उन्होंने बाएं हाथ की मुष्टिका (मुटठी) से उस पर प्रहार किया। उस प्रहार से वह मुंह से खून फैंकती हुई बेहोश होकर पृथ्वी पर गिर पड़ी किंतु शीघ्र ही वह पुन: उठकर खड़ी हो गई। उसने कहा, ''वानर वीर! अब मैंने तुम्हें पहचान लिया है। तुम भगवान श्री राम चंद्र जी के दूत हनुमान हो। मुझसे बहुत पहले ब्रह्मा जी ने कहा था, 'त्रेतायुग में हनुमान नामक एक वानर लंका में सीता जी की खोज करता हुआ आएगा। तू उसकी मार से बेहोश हो जाएगी। जब ऐसा हो तब समझना कि शीघ्र ही सारे राक्षसों के साथ रावण का संहार होने वाला है। वीर रामदूत हनुमान! अब तुम निर्भय होकर लंका में प्रवेश करो। मेरा परम सौभाग्य है कि ब्रह्मा जी की कृपा से मुझे परम पवित्र श्री रामदूत के दर्शन हुए।''

खुशहाली के लिए लगाएं रत्नों का पौधा

रत्नों का पौधा सुनने में भी भले ही काल्पनिक लगे किन्तु वास्तविकता यही है कि चीनी पद्धति में इस पौधे का अधिक महत्व है। यह पौधा तरह-तरह के रत्नों और स्फटिकों का बना होता है। इसमें कई वैरायटीज होती हैं।

नवरत्न पेड नवग्रहों की शांति, सुख तथा पारिवारिक शांति के लिए उपयोग किया जाता है। एमेथिस्ट का पेड. दिमाग का संतुलन बनाए रखता है। रंग-बिरंगे रत्नों से सजे इस पौधे को यदि घर के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में रखा जाए तो निश्चित रूप से जीविका चलाने वाले व्यक्ति के सौभाग्य में वृद्धि होती है। इसे घर में दक्षिण-पूर्व दिशा में भी रखा जा सकता है। इसे व्यवसायिक स्थल पर रखने से सम्पदा मिलती है। इसे बैठक में भी रखा जा सकता है। इसका एक ओर महत्वपूर्ण कार्य नकारात्मक ऊर्जा को दूर करना भी है। चीनी संस्कृति और फेंगशुई में ड्रैगन को बहुत सम्मान दिया जाता है और इसे शुद्ध मानते हैं।

कई पीढतिों से ड्रैगन शक्ति, अच्छे भाग्य और सम्मान का प्रतीक माना जाता है। ड्रैगन एक कीमती कास्मिक ची बनाता है, जिसे शेंग ची भी कहते हैं, जिससे घर और कार्यस्थल पर भाग्य साथ देता है। डबल ड्रैगन को यूं तो किसी भी दिशा में रखा जा सकता है, लेकिन पूर्व दिशा में रखना सबसे ज्यादा कारगर माना गया है।

यह ड्रैगन लकडी, सेरेमिक व धातु में उपल्बध है। दो ड्रैगन का जोडा समृद्धि का प्रतीक है। इनके पैर के पंजों में ज्यादा मोती सबसे ज्यादा ऊर्जा संजोये है। फेंगशुई में ड्रैगन को चार दिव्य प्राणियों में गिना जाता है। ड्रैगन येंग यानी पुरुषत्व, हिम्मत और बहादुरी का प्रतीक है। लकडी के ड्रैगन को दक्षिण- पूर्व

या पूर्व में, सेरेमिक, क्रिस्टल के ड्रैगन को दक्षिण- पूर्व, उत्तर-पूर्व वया उत्तर पश्चिम में रखें।

छात्र इसे अपनी पढ.ाई की टेबल पर रखें। घर की उत्तर-पश्चिम दिशा में इसे रखने से अच्छे सलाहकार, दोस्त व बढिया नेतृत्व करने वाले साथी मिलेंगे।

नहीं चाहते किसी से विवाद, तो आजमाइए यह लाजवाब उपाय

जैन धर्म ही नहीं, बल्कि संसार का हर धर्म क्षमा के महत्व को मानता है। माफी मांगना और माफ करना दोनों ही मनुष्य के व्यक्तित्व को पूर्ण करने वाले तत्व हैं।

क्षमा का अर्थ है, 'किसी के द्वारा की गई गलती को स्वेच्छा से समाप्त कर देना।' जैन धर्म में क्षमा 'क्षमावाणी' पर्व रूप में मनाई जाती है। इस पर्व को जैन धर्म के अनुयायी दशलक्षण महापर्व के रूप में मनाते हैं। दस दिन, दस सिद्धांतों को मानते हुए दसवें दिन क्षमावाणी का पर्व मनाया जाता है।

जैन संत विद्यासागर जी महाराज कहते हैं, 'अपने मन में क्रोध को पैदा न होने देना और अगर हो भी जाए तो अपने विवेक से, नम्रता से उसे विफल कर देना चाहिए। स्वयं से जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए खुद को क्षमा करना और दूसरे के प्रति भी इसी भाव को रखना क्षमा पर्व का महत्व है।

अन्य धर्मों में क्षमा

जैन धर्म ही नहीं, बल्कि संसार का हर धर्म क्षमा के महत्व को मानता है। क्षमा मांगने से अहंकार खत्म हो जाता है। महाभारत में क्षमा के बारे में उल्लेख मिलता है, 'दुष्टों का बल हिंसा है, राजाओं का बल दंड है और गुणवानों का क्षमा है।' ठीक इसी तरह श्रीमद्भागवद् में उल्लेखित है, 'वही साधुता है कि स्वयं समर्थ होने पर क्षमाभाव रखे।' इस्लाम धर्म के पवित्र ग्रंथ कुरान में उल्लेखित है, जो क्षमा करता है और बीती बातों को भूल जाता है, उसे ईश्वर की ओर से पुरस्कार मिलता है। वहीं, खलील जिब्रान ने कहा है, 'जो मनुष्य नारी को क्षमा नहीं कर सकता, उसे उसके महान गुणों का उपयोग करने का अवसर कभी प्राप्त न होगा।'

क्षमा का मनोविज्ञान मनोविज्ञानी भी क्षमा के महत्व को मानते हैं। कई मनोवैज्ञानिकों के मतानुसार, 'क्षमा का मनुष्य के व्यक्तित्व में बहुत महत्व होता है। यदि कोई आदमी माफी मांगने पर भी किसी को माफन करे तो उसके व्यक्तित्व में भी 'अहम' संबंधी विकार होता है। यानी माफी मांगना और माफ करना दोनों ही मनुष्य के व्यक्तित्व को पूर्ण करने वाले तत्व हैं।

आपने यह तो सुना होगा कि फलों और सब्जियों को खाना सेहत के लिए बहुत ही लाभकारी होता हैं लेकिन कुछ सब्जियों और फलों के छिलके भी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। जो आपको कई तरह की बीमारियों से राहत दिलाते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि इन फलों और सब्जियों के छिलके का हमारी सेहत से क्या संबंध हैं।

फल व सब्जियों के इन हिस्सों को न समझें बेकार

सेब का छिलका

ज्यादातर लोग सेब छीलकर खाते हैं लेकिन सेब के छिलके में भी शरीर के लिए जरूरी कई पोषक तत्व होते हैं। एक सेब के छिलके में औसतन चार मिलीग्राम क्वेरसेटिन होता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसकी वजह से कोशिकाएं स्वस्थ बनी रहती हैं।

संतरे का छिलका

यह पाचन में सुधार, गैस, उल्टी, हार्ट बर्न और अम्लीय डकार को दूर करने में मदद करता है। यह भूख बढ़ाता है और मतली से राहत दिलाने का काम करता है। इसके अलावा यह मोटे व्यक्तियों में हाई कोलेस्ट्रॉल को कम करता है।

गोभी की पत्तियां

गोभी की हरी पत्तियों को हम नजरअंदाज कर जाते हैं और गोभी की सब्जी बना कर खा जाते हैं। लेकिन इन हरी पत्तियों में विटामिन काफी मात्रा में पाया जाता है जो कि अन्य सब्जियों में बड़ी ही मुश्किल से प्राप्त होता है।

ब्रोकली की डंडी

हरी पत्तेदार सब्जियों में ब्रोकली सबसे ऊपर है क्योंकि लोग इसकी आवश्यकता को जानने लगे हैं। इसमें बहुत सारा एंटी ऑक्सीडेंट, फाइबर, कैल्शियम और मैगनीशियम पाया जाता है। इसको खाने से लो बीपी की समस्या कंट्रोल में रहती है।

अनार का छिलका

अनार के छिलके को धूप में सुखा कर पाउडर के रूप में तैयार करने के बाद इसे स्वच्छ पानी के साथ फांकने से पुरानी से पुरानी पेचिस जल्द ही खत्म हो जाती है। इस चूर्ण को तब तक लें जब तक समस्या पूरी तरह से ठीक ना हो जाए।

करेले का छिलका

करेले के छिलकों को निचोड़ कर नमक लपेट करके लगभग एक घंटे तक तेज सूर्य की किरणों में सुखाएं। फिर इसे तलकर इस्तेमाल में लाएं। यह मधुमेह की मार झेल रहे रोगियों के लिए औषधि के रूप में साबित होगा।

तरबूज का छिलका

तरबूज के छिलके को उतार कर कभी ना फेंके। इसमें मौजूद अमीनो एसिड को एल-सिट्रलाइन कहते हैं जो एथलीट की कार्यक्षमता को बढ़ाने के साथ ही मांसपेशियों के दर्द को भी दूर करता है। सिट्रलाइन रक्त में मौजूद नाइट्रोजन की मात्रा को हटाने में भी मददगार साबित होता है।

आलू का छिलका

आलू के छिलके खाने वालों के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि इसमें फाइबर पर्याप्त मात्रा में होता है जो स्किन के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसी के साथ इसमें विटामिन बी, विटामिन सी, आयरन, कैल्शियम भी काफी मात्रा में पाया जाता है। जो सेहत के लिए उपयोगी हैं।

ज्यादा नींबू पानी पीना हो सकता है खतरनाक

लोग अक्सर अपने सादे पानी को जरा से टेस्ट देने के लिए नींबू मिलाते हैं तो कुछ लोग खुद को पतला रखने के लिए नींबू पानी पीते हैं। लेकिन इसका ज्यादा सेवन करने से आपको कई नुकसान भी हो सकते हैं। यह आपको वेट लॉस प्लान का हिस्सा तो बन सकता है पर इसकी ज्यादा मात्रा आपको बीमार भी बना सकती है।

दांत बहुत ज्यादा संवेदनशील

नींबू में सिट्रस एसिड होता है। जिसके संपर्क में आने से दांत बहुत अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। सिट्रस एसिड के भाव से दांतों की सबसे बाहरी परत को नुकसान पहुंचता है। जिससे कुछ भी ठंडा या गर्म खाने या पीने पर दांतों में झनझनाहट होने लग जाती है।

एसिडिटी की समस्या

अगर आपको पहले से ही गैस की समस्या है तो नींबू पानी का सेवन आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। नींबू पानी पीने से एसिडिटी या गैस की समस्या बढ़ सकती है। जिसका असर पाचन क्रिया पर भी पड़ता है।

स्टोन का खतरा

नींबू में सिट्रस एसिड के अलावा ऑक्सलेट की भी पर्याप्त मात्रा होती है। नींबू पानी का ज्यादा सेवन करने से ये क्रिस्टल के रूप में शरीर में जमा हो जाता है। जिससे किडनी स्टोन होने का खतरा बढ़ जाता है।

पानी की कमी का खतरा

नींबू पानी पीने से बार-बार पेशाब आती है। जिससे डीहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। डीहाइड्रेशन की स्थिति कई बार बहुत खतरनाक हो जाती है जिसमें पीड़ित की मौत भी हो जाती है।

हड्डियां कमजोर होती हैं

बहुत अधिक नींबू पानी पीने से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। नींबू में अम्लीयता होती है जिसकी वजह से हड्डियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि नींबू पानी का सेवन नियंत्रित मात्रा में चिकित्सक के परामर्श से करें।

वजन कम करने के साथ रोग से दूर रखती है लीची

गर्मियों में कई स्वादिष्ट फलों का मजा लिया जा सकता है। इन्हीं में से एक है लीची। यूं तो लीची का उत्पादन मुख्य तौर पर चीन में होता है लेकिन अब दुनियाभर में कई देशों में होने लगा है।

एंटी-कैंसर प्रोपर्टी - वैसे तो बहुत से फलों में फ्लेवर्ड और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो कि कैंसर से बचाने की क्षमता रखते हैं। लेकिन लीची में कीमोप्रोटेक्टिव इफेक्ट्स भी होते हैं। एक रिसर्च के मुताबिक, लीची ब्रेस्ट कैंसर के सेल्स को नष्ट करने में मदद करती है।

ब्लड प्रेशर को करती है नियंत्रित- पोटैशियम एक मिनरल है जो कि ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। हाइपरटेंशन से जूझ रहे लोगों को पोटैशियम से भरपूर लीची खाने की सलाह दी जाती है। एक कप लीची में 350 ग्राम तक पोटैशियम होता है।

दिल की बीमारियों से बचाता है- स्ट्राबेरी के बाद लीची दूसरे नंबर पर एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर फूड माना जाता है। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर फूड खाने से तनाव कम होता है और 50 फीसदी तक दिल की बीमारियां होने का खतरा कम हो जाता है।

कम कैलोरी युक्त- लीची में मात्र 125 कैलोरी होती है। इसमें फैट भी बहुत कम होता है। ऐसे में वजन कम करने के लिए लीची का सेवन किया जा सकता है।

विटामिन बी से भरपूर लीची में विटामिन के और ई भी पाया जाता है। इसके खाने से रेड ब्लड काउंट्स सही होते हैं। लीची अपने आप में एक नैचुरल पेन किलर है। ये डैमेज टिश्यूज को सही करता है, इम्यून सिस्टम बढ़ाना हो तो भी लीची का सेवन कर सकते हैं।

विटामिन सी से भरपूर लीची को रोजाना खाएंगे तो कोल्ड और फ्लू से होने वाली सिकनेस से बच सकते हैं। त्वचा को दमकाना है तो भी लीची का सेवन किया जा सकता है, यदि आप एक्ने की समस्या से गुजर रहे हैं तो गर्मियों में लीची का सेवन करना ना भूलें।

इन बातों को नजर अंदाज किया तो हो जाएंगे बीमार!

अच्छे स्वास्थ की कामना हर कोई करता है। सेहत खराब होने पर परेशानी अलग से उठानी पड़ती हैं और खर्चा अलग से करना पड़ता लेकिन क्या हम सच में अपनी सेहत को लेकर फिक्रमंद हैं? हमारा लाइफस्टाइल तेजी से बदलता जा रहा है। खाने पीने, उठने-बैठने की आदतें बदलती जा रही हैं जो हमारी सेहत पर बुरा असर डाल रही हैं। अगर आप सेहतमंद रहना चाहते हैं तो इन बातों को अनदेखा न करें।

- लड़का हो या लड़की आजकल दोनों फॉर्मल शर्ट के साथ टाई का इस्तेमाल करते हैं लेकिन आपको बता दें कि कसी हुई टाई बांधने से आंखों की रोशनी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- पेट की दिक्कत और चर्म रोग तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसकी एक वजह है चाय और उसके साथ लिया जाने वाला नमकीन।
- बहुत ज्यादा झुककर पढ़ने से आंख, फेंफड़े और रीढ़ की हड्डी पर बुरा असर पड़ता है।

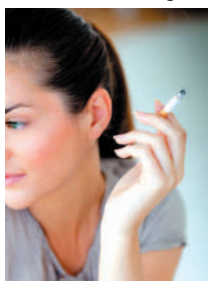

- सिगरेट-तंबाकू जैसे नशीले पदार्थों का सेवन करने से दिमाग की हजारों कोशिकाएं नष्ट होती हैं जिनका पुनर्निर्माण कभी नहीं होता।
- पेट बाहर निकलने का मुख्य कारण खाने के बाद तुरंत पानी पीना। खड़े होकर या कुर्सी पर बैठकर खाना। भोजन हमेशा जमीन पर बैठकर करें। भोजन के तुरंत बाद पानी पीना कई गंभीर रोगों को आमंत्रण देना है।
- फ्रिज से तुरंत निकला ठंडा पदार्थ खाने से बड़ी आंत सिकुड़ती है।
- भोजन के तुरंत बाद नहा लेने से पाचन शक्ति खराब होती है। इसी तरह भोजन के पश्चात ज्यादा मेहनती काम करने से भी पाचनशक्ति कमजोर होती है।
- भोजन करने के पश्चात मूत्र त्याग अवश्य करे। ऐसा करने से अनावश्यक गर्मी, कब्ज और पथरी से बचा सकता है।
- जब कुल्ला करें तो आंखों को जरूर धोएं। भोजन के बाद हाथ धोकर गीले हाथ आंखों पर लगाएं। यह आंखों को गर्मी से बचाता है।
- तली चीजों, फल, दूध से बनी मिठाई खाने के तुरंत बाद पानी न पीएं।
- हमेशा सिर से नहाना शुरू करें। अगर सिर नहीं धो रहे तो पहले मुंह धोएं। पहले पैरों पर पानी डालने से गर्मी का प्रवाह ऊपर की ओर होता हैं जो आंख, दिमाग जैसे संवेदनशील अंगों को क्षति पहुंचाता है।
- नहाने के कुछ पहले एक गिलास ताजा पानी पीएं। इससे हाई ब्लड प्रैशर की समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी।
- काफी लेट सोने से इम्युन सिस्टम कमजोर होने लगता है।
- खड़े होकर पानी पीने से घुटनों और जोड़ों के रोग होते हैं। इसी तरह खड़े होकर मूत्र त्याग करने से रीढ़ की हड्डी के रोग हो सकते हैं।
- खांसी, छींक, जम्हाई, बाथरूम, आंसू आदि को कभी न रोकें। इनके रोकने से गंभीर रोग हो सकते हैं। भूख लगने पर खाना जरूर खाएं। सुबह खाली पेट पानी जरूर पीएं। यह हमें बहुत सारी बीमारियों से दूर रखता है।
- जितना हो सके तनाव, चिंता और ज्यादा सोच-विचार से दूर रहें। संपूर्ण नींद लें।

जानें क्या है अकिलीज टेन्डिनोपैथी

एड़ी के ऊपर के ऊतकों में मुख्य रूप से दो प्रकार की चोट लग सकती है, पहली अकिलीज टेन्डिनोपैथी और दूसरी अकिलीज टेंडन रप्चर अर्थात स्नायुजाल का फट जाना। चलिए अकिलीज टेन्डिनोपैथी या स्नायुजाल के दर्द के बारे में विस्तार से जानें।

कई तरह के दर्द

अकिलीज टेन्डिनोपैथी आमतौर पर अकिलीज टेंडिनाइटिस या स्नायुजाल की समस्या नाम से भी जानी जाती है। एड़ी के ऊपर के ऊतकों में मुख्य रूप से दो प्रकार की चोट लग सकती है, पहली अकिलीज टेन्डिनोपैथी और दूसरी अकिलीज टेंडन रप्चर अर्थात स्नायुजाल का फट जाना। अकिलीज टेन्डिनोपैथी के लक्षणों में एड़ी के ऊपर वाले संयोजी ऊतकों में साधारण से तेज दर्द होता है। हर व्यक्ति में इस दर्द के लक्षण अलग-अलग हो सकते हैं।

किसको अधिक होती है यह समस्या

अकिलीज टेंडन का दर्द का सामना उन लोगों को ज्यादा करना पड़ता है, जो स्नायुजाल का अधिक उपयोग करते हैं, मसलन उछलने, कूदने या दौड़ने आदि गतिविधियां अधिक करते हैं, जैसे कि एथिलीट या कोई अन्य खिलाड़ी। आमतौर पर अचानक से बहुत ज्यादा पैरों की गतिविधि वाला कार्य करना शुरू करने वाले 30 से 50 वर्ष की आयु वर्ग के लोगों में ये अधिक देखने को मिलता है।

अकिलीज टेन्डिनोपैथी के लक्षण

अकिलीज टेंडन अर्थात स्नायुजाल की समस्या के लक्षणों को अकिलीज टेन्डिनोपैथी के लक्षण और अकिलीज टेंडन रप्चर को दो वर्गों में बांटा कर समझा जा सकता हैं। इनके लक्षणों में निम्न शामिल होते हैं।

- एड़ी की पीछे, स्नायुजाल वाले भाग में सूजन या बिना सूजन के दर्द (हल्का व तेजह्य दोनों हो सकता है) होना।
- सुबह के समय स्नायुजाल क्षेत्र में चिपचिपापन होना।
- एड़ी में जोड़ में अकड़न होना।
- पैरों को हिलाने-डुलाने में दिक्कत महसूस होना या पैर का बार-बार शिथिल हो जाना।

अकिलीज टेंडन रप्चर के लक्षण

अकिलीज टेंडन रप्चर में अचानक तेज दर्द (मानो टेंडन पर बहुत जोर से चोट लगी हो) होता है। जब टेंडन में रप्चर होता है तो रेप्चर वाले स्थान पर उभार जैसा आ जाता है। इसके अलावा इसके लक्षणों में सूजन होना और सूजन वाली जगह का रंग नीला हो जाना, एडी में तीव्र दर्द होना तथा पैर में इतना दर्द कि पैर को नीचे भी न रखा जाए आदि शामिल होते हैं। अगर स्नायुजाल में मामूली चोट लगी हो तो व्यक्ति चल-फिर सकता है और ऐसे में दर्द भी कम होता है।

रेसिपी

सब्जी का सालन

सामग्री

1 1/2 कप कटी और उबली हुई मिली-जुली सब्जियां, 2 स्पून तेल, 1/2 कप बारीक कटे हुए प्याज, 1 स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 कप ताज़े टमाटर का पल्प, 3/4 कप फेंटा हुआ दही,1/2 कप नारीयल का दूध, एक चुटकी शक्कर, नमक स्वादअनुसार, **पीसकर सूखा पाउडर बनाने के लिए:** 3 लौंग, 3 कालीमिर्च, 3 इलायची, 1/2 टी-स्पून जायफल पाउडर

विधि

कढ़ाई में तेल गरम करें, प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट या प्याज़ के पार्दर्शी होने तक भुन लें। हरी मिर्च का पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर और हल्दी पाउडर डालकर कुछ सेकेन्ड तक मध्यम आंच पर भुनें। प्याज़ को जलने से बचाने के लिए थोड़ा पानी छिड़कें। टमाटर का पल्प और दही डालकर अच्छी तरह मिलाए और लगातार हिलाते हुए, धीमी आंच पर 2-3 मिनट तक पकाएं। मिली-जुली सब्जियां और नारीयल का दूध डालकर अच्छी तरह मिलाएं और उबाल लें। ढ़ककर, बीच-बीच में हिलाते हुए 3-4 मिनट तक पकाऐं। सूखा पाउडर, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच में हिलाते हुए और 1 मिनट तक पकाऐं। गरमा गरम परोसें।

चीज़ कॉर्न बॉल्स रैप

सामग्री

चीज़ कॉर्न बाल्स् के लिए: 2 स्पून मक्खन, 2 1/2 स्पून मैदा, 1/2 कप दुध, 3/4 कप क्रश किए मकई के दानें, 2 स्पून हरी मिर्च, 1/3 कप चीज़, नमक स्वादानुसार, **सालसा के लिए:** 2 स्पून तेल, 2 स्पून लहसुन पेस्ट, 2 स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1/2 कप हरी प्याज के सफेद भाग, 1/2 कप शिमला मिर्च, 1 कप कटे टमाटर, 1/2 स्पून विनेगर, 1/2 स्पून ऑरेगानो, नमक स्वादअनुसार, 4 रोटी, 2 कप कटा हुआ लैट्यूस, 8 स्पून क्रश किए हुए कॉर्न चिप्स

विधि

चीज़ कॉर्न बाल्स् के लिए: एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में मक्खन गरम करें और आटा डालकर एक मिनट तक पका लें। दुध डालकर, धीमी आंच पर, मिश्रण के गाढ़ा होने तक और पैन के किनारों से अलग होने तक, लगातार हिलाते हुए पका लें। ठंडा करने एक तरफ रख दें। क्रश की हुई मकई, हरी मिर्च, चीज़ और नमक को गाढ़े दुध में डालकर अच्छी तरह मिलाएं। मिश्रण को 12 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को गोल बॉल बना लें। प्रत्येक बॉल को ब्रेड क्रम्बस् में रखकर सभी तरफ से लपेट लें। कढ़ाई में तेल गरम करें, और बॉल्स् को मध्यम आंच पर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ में निकालकर एक तरफ रख दें। **पके हुए सालसा के लिए:** गहरे पैन में तेल गरम करें, लहसुन का पेस्ट, हरी मिर्च का पेस्ट, हरी प्याज़ के सफेद भाग और शिमला मिर्च डालकर, प्याज़ के पार्दर्शी होने तक मध्यम आँच पर भुन लें। टमाटर, विनेगर, ऑरेगानो और नमक डालकर हल्के हाथों मिलाएं और मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए 2-3 मिनट तक पकाएं। एक तरफ रखें। **आगे बढ़ने की विधी:** रोटी को साफ सूखी जगह पर रखें और बीच में 1/2 कप लैट्यूस रखें। ऊपर 3 चीज़ बॉल्स् रखें। पके हुए सालसा का 1/4 भाग और 2 टेबल-स्पून क्रश किए हुए कॉर्न चिप्स् छिड़कें और अच्छी तरह रोल कर बंद कर लें। बचे हुए सामग्री का प्रयोग कर 3 और रैप बनाएं। प्रत्येक रैप पर टीशू पेपर लपेटकर तुरंत परोसें।

क्या आप जानते हैं?

- कोआला के फिंगरप्रिंट्स (पैटर्न, शेप और साइज) इंसान के फिंगरप्रिंट्स जैसे ही होते हैं।
- म्यूजिक क्रॉनिक पेन को 20 फीसदी और डिप्रैशन को 25 फीसदी कम कर सकता है।
- ऊंट का दूध अरब देशों में काफी पिया जाता है। इसमें गाय के दूध के मुकाबले 10 गुना अधिक आयरन पाया जाता है।
- हिमालय ने पृथ्वी की सतह का 1/10 हिस्सा ढंका हुआ है।
- यदि व्हेल का ईको सिस्टम फेल हो जाए, तो उसकी मौत हो जाती है।
- पेट में करीब साढ़े तीन करोड़ डाइजैस्टिव ग्लैंड्स होते हैं।
- 1850 से पहले गोल्फ की गेंद चमड़े से बनाई जाती थी और इसमें पंख भरे जाते थे।
- चाइनीज सक्रिप्ट में 40,000 से अधिक कैरेक्टर्स हैं।
- पीटर द ग्रेट के शासन के दौरान दाढ़ी रखने वाले रशियन आदमियों को एक खास टैक्स देना पड़ता था।

दिमाग की बत्ती

पानी की बूंदें गोल होती हैं क्यों?

पानी के अणु इसे गतिशील रखते हैं, परंतु ये पूर्णत: अलग नहीं होते, क्योंकि ये लगातार एक-दूसरे को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। पानी की सतह के अणु एक प्रकार की झिल्ली का निर्माण करते हैं, जो कम भार की वस्तुओं को सहारा दे सकती है। जो बल इन अणुओं को आपस में जोड़े रखता है, उसे 'सतहीय दबाव' कहते हैं। जब आप गिलास को पानी से ऊपर तक भरें, तब उसकी सतह को पास से देखें। ऊपरी सतह के किनारों पर पानी जरा-सा वक्राकार मुड़ा होता है। इन घुमावों को ही सतहीय दबाव कहते हैं। पानी को एक बैग की तरह जोर से खींचे, अगर यह कम मात्रा में होगा, तो सतहीय दबाव उसे गोल बूंद में बदल देगा।

पानी पर तैरता शहर वीनस

युद्ध की विभीषिकाओं और समुद्री लुटेरों से इतिहास संजोने वाला वीनस शहर आज कला-संस्कृति और प्रेम की प्रतिमूर्ति के रूप में जाना जाता है...

विश्व के खूबसूरत व प्राचीन शहरों की बात करें, तो इटली के वीनस शहर का नाम बरबस ही होंठो पर आ जाता है। इसे पानी पर तैरता शहर कहा जाता है, क्योंकि यह छोटे-छोटे कई टापुओं का समूह है, जिन्हें विभिन्न पुलों से आपस में जोड़ा गया है। वीनस में 160 नहरें हैं, जिन्हें 409 पुलों से आपस में जोड़ा गया है। यह शहर लकड़ी के पोलस पर बनाया गया है।

आप यहां के खूबसूरत लगून देखने के लिए वाटर बस और वाटर टैक्सी ले सकते हैं। शहर के बीच से बहने वाली नदियों के मोड़ों पर बने हुए ओपन कैफैटेरिया में कॉफी पीने का अपना ही आनंद है।

वीनस के संरक्षक सेंट मार्क के जन्म दिवस 25 अप्रैल 421 ईस्वी को वीनस की स्थापना की गई। उस समय समुद्र के बीच स्थित वीनस एक छोटा-सा गांव टोसैंलो था। सेंट मार्क का शहर होने की वजह से इसका अपना धार्मिक महत्व भी है। शहर के करीब हर मोड़ पर बने हुए गिरजाघर लोगों की आस्था की कहानी ब्यान करते हैं। सेंट मार्क स्कवायर में लगे हुए घंटे की आवाज के आते ही लोगों में गिरजाघरों में जाकर प्रार्थना करने की जैसे होड़-सी लग जाती है।

पानी पर तैरते शहर की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं पानी में चलने वाले गिंडोले (चप्पुओं से चलने वाली स्थानीय किश्ती)। इन गिंडोलों को चलाने वाले स्थानीय भाषा में लोक गीत सुनाकर लोगों का मन मोह लेते हैं। इन लोक गीतों में वीनस के महान प्रेमी के रूप में मशहूर कासानोवा की

प्रेम कहानियां और कुछ स्थानीय कहानियां शामिल रहती हैं। स्थानीय लोक गायक गिटार से मिलता- जुलता एक स्थानीय वाद्य-यंत्र बजाते हैं, जो वीनस की पहचान बन चुका है।

वीनस के संग्रहालयों में रखी हुई कलाकृतियां विश्व की अनमोल धरोहरों में से हैं, जिनमें पिकासो की पेंटिग्ज और मार्क के तांबे के चार घोड़े का अपना महत्व है।

वीनस का इतिहास

वीनस का पुराना नाम सेरेनिस्सिमा रिपब्लिका था। यह एक शक्तिशाली साम्राज्य हुआ करता था। आठवीं सदी के अंत से लेकर 1792 तक यह एक आजाद रिपब्लिक था। 1797 में वीनस गणराज्य पर नैपोलियन ने कब्जा कर लिया और यह हैम्पसबर्ग गणराज्य (आस्ट्रिया) का हिस्सा बन गया। 1848 में वीनस वासियों ने अपनी मातृ-भूमि को स्वतंत्र करवाने के प्रयास शुरू किए। 1860 में गूसोप गरीबल्दी की फौज ने सवोया साम्राज्य के नियंत्रण में इटली को राज्य का दर्जा दिलाने में कामयाबी हासिल कर ली, तीसरे स्वतंत्रता युद्ध के बाद 1866 में वीनस इटली का भाग बन गया।

प्राकृतिक आपदाएं

1348 में महामारी के कारण वीनस की जनसंख्या आधी रह गई। इसके बावजूद वह मैडिट्रेनियन समुद्र की चार महाशक्तियों में अपना नाम दर्ज करवाने में सफल रहा। अन्य तीन महाशक्तियों के नाम अमाल्फी गणराज्य, जिनोवा तथा लॉ स्पेजिया थे। 1630 में दूसरी बार वीनस में महामारी फैली और इसका पतन आरंभ हो गया। द्वितीय विश्व युद्ध के कारण सांस्कृतिक गतिविधियों में अवरोध उत्पन्न हो गया। 1966 में आई बाढ़ ने शहर को काफी क्षति पहुंचाई। तब पानी का स्तर दो मीटर तक बढ़ गया था। आज भी कई गिरजाघरों व अन्य स्थानों पर पानी के निशान देखे जा सकते हैं।

सेंट मार्क स्कवायर

सेंट मार्क स्कवायर का निर्माण 814 ईस्वी में हुआ। 1902 में इसका बैल टॉवर ढह गया। 1912 में इसका पुर्ननिर्माण किया गया।

मार्को पोलो की चीन यात्रा

वीनस के व्यापारी मार्को पोलो ने वीनस से चीन तक की यात्रा मध्यकाल (1271-95 ई.) में की। '11 मिलियन ' नामक पुस्तक में चंगेज खान से उसकी मुलाकात के हैरतअंगेज किस्से दर्ज हैं।

जिराफ नहीं है यह

ओकापी जिराफ की तरह दिखाई देता है। इसे छोटी गर्दन वाला जिराफ भी कहते हैं। देखने में अत्यंत खूबसूरत ओकापी अफ्रीका महाद्वीप के देश जायर के उत्तर-पूर्व के ट्रॉपिकल जंगलों में पाए जाते हैं। चॉकलेट ब्राउन रंग के ओकापी की टांगों पर मटमैले सफेद रंग की आड़ी लाइनें होती हैं।

ओकापी की खोज 1901 में हुई, पर प्राचीन मिस्रवासियों को इसकी जानकारी काफी पहले से ही थी। इनकी लंबाई 1.9 से 2.5 मीटर तक होती है और कंधों तक ऊंचाई डेढ़ से दो मीटर तक होती है। इनकी पूंछ की लंबाई 30- 42 सेंटीमीटर होती है।

नर ओकापी के बालों से ढंके सींग होते हैं, जो 15 सेंटीमीटर से अधिक लंबे नहीं होते। मादा ओकापी के सींग नहीं होते, पर यह नर से औसतन 4.2 सेंटीमीटर लंबी होती है। इनके कान काफी बड़े आकार के होते हैं, जो परभक्षी का पता लगाने में इनकी मदद करते हैं।

इनकी जीभ 14 से 18 इंच लंबी होती है। काले रंग की इस नुकीली जीभ का इस्तेमाल ये पेड़ों की शाखाओं से कोंपलें, पत्ते और फल तोड़ने के लिए करते हैं। यह एकमात्र ऐसा जानवर है, जो अपनी जीभ से अपने कान साफ कर सकता है।

समय का सफर

दिन-रात और समय के चक्करों को समझने के लिए मनुष्य ने घड़ी का अविष्कार किया। घड़ी के आज के स्वरूप तक की यात्रा पर एक नजर-

- 500-300 ईपू मिस्र में पहली बार सूर्य घड़ी का उपयोग किया गया।
- 400 ईपू - ग्रीस के लोग पत्ती की घड़ी से समय का पता लगाने लगे।
- 980ई- राजा एफ्रेड जलती मोमबत्ती से समय का निर्धारण करते थे।
- 1657 ई- क्रिस्टिएन हाइगंस ने पहली पेंडुलम घड़ी बनाई।
- 1838 ई- लुईस ऑडीमार्स ने पेंचदार घड़ी और उसकी यांत्रिकी की खोज की।
- 1868 ई- पैटेक फिलिपी ने पहली रिस्टवॉच का आविष्कार किया।
- 1888 ई - कॉर्टियर ने पहली लेडीज रिस्टवॉच बनाई।
- 1902 ईस्वी- पहली ओमेगा रिस्टवॉच बनी। जर्मनी में 93000 घड़ियां बिकीं।
- 1914 ई. - पहली अलार्म रिस्टवॉच एटरना द्वारा बनाई गई।
- 1923ई- पहली ऑटोमेटिक रिस्टवॉच जॉन हार्डवुड ने बनाई।
- 1957 ई. - हैमिल्टस ने पहली इलैक्ट्रानिक वॉच का निर्माण किया। आज ढेरों प्रकार की इलैक्ट्रॉनिक डिजिटल घड़ियां मौजूद हैं, जिनमें कई तरह की ऐसी सुविधाएं शामिल हैं।

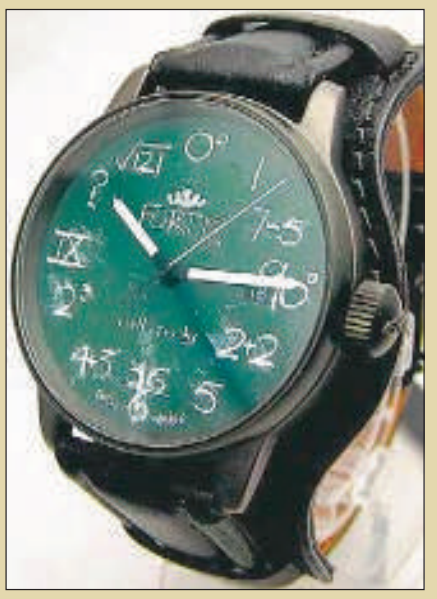

इस पुस्तक मेले में भी आएं जरूर

बच्चो, आज आप हमारे साथ जालंधर के देश भक्त यादगार हाल चलें। मालूम है क्यों? क्योंकि वहां आजकल जालंधर पुस्तक मेला चल रहा है। इस मेले में बच्चों के लिए खासतौर पर नैशनल बुक ट्रस्ट ने बच्चों की पुस्तकों के 2000 टाइटिल प्रदर्शित किए हैं। अकेले पंजाबी में 200 से ज्यादा पुस्तकें बच्चों के लिए प्रकाशित की हैं।

इस बारे में ट्रस्ट के संयुक्त निर्देशक बलदेव सिंह बदन ने बताया कि लगभग 13 भारतीय भाषायों के बाल साहित्य को हमने प्रकाशित किया है। इसके अलावा 7 आसमी जनजातियों के बाल साहित्य को भी अंग्रेज़ी और हिंदी में अनुवाद करवाया गया है।

बच्चो, आपको इस मेले में दुनिया भर का बाल साहित्य मिलेगा। इसमें जैको, लोकगीत और दीपक पब्लिशर्ज द्वारा प्रकाशित किया गया बाल साहित्य भी आपको मिलेगा। हर तरह की जानकारियों से भरा हुआ साहित्य, आपकी पढ़ाई से जुड़ा हुआ साहित्य, आपके बारे में लिखा हुआ साहित्य, पक्षियों के बारे में, देशों के बारे में, फूलों के बारे में और आपके मनपसंद खेलों के बारे में। बहुत कुछ और भी है, इसलिए आप अपने बड़ों को भी साथ ले जाना न भूलें। मेले में देश भर से प्रकाशक आए हैं और दुनिया भर का साहित्य आपका स्वागत करेगा। यह मेला 10 अप्रैल तक चलेगा और आप कभी भी वहां जा सकते हैं। वहां किसी तरह का टिकट भी नहीं लगता। हर रोज़ साहित्य पर कार्यक्रम भी होते हैं। आप वहां अपने प्रिय लेखकों से भी मिल सकते हैं।

हम बताएं, आप बनाएं

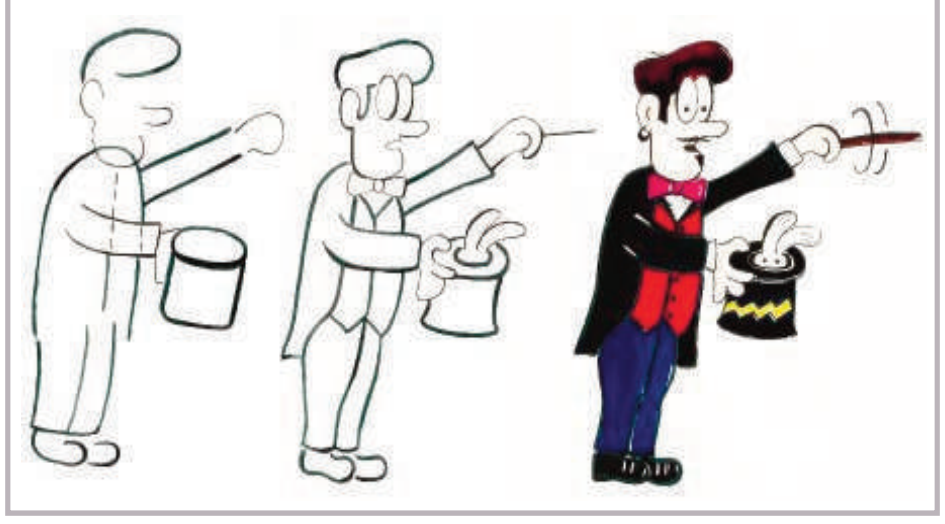

लघुकथाएँ

मन्नत

उसी फूलवाली से हमेशा फूलमाला, पूजा का सामान खरीदने से पहचान-सी हो गई है। उसके ठेले के नीचे चप्पलें उतारकर वे बड़ी बेफिक्र हो देर तक पूजा-अर्चना करती रहती हैं। कल फूलवाली के साथ उसका आठेक साल का बेटा भी माला पिरो रहा था, तो वह भी पूजा की टोकरी ले उनके साथ मंदिर में चला आया। गणपतिजी का प्राचीन मंदिर। चौखट पर पेड़ों की डालों पर घंटियों पर सैकड़ों नाड़े बँधे थे मन्नतों के। दीवारों पर, खंबों पर चॉक से, पेंसिल से मानताएँ माँगे भी लिखी थीं। लोग जोर-जोर से पढ़कर परस्पर सुना रहे थे और कुछ अपनी मन्नत लिख भी रहे थे, इसी विश्वास के साथ कि ईश्वर उनकी पुकार अवश्य सुनेंगे।

बालक सब देखता, सुनता रहा और मंदिर से बाहर आते ही बोला- 'आंटीजी, आप मुझे लिखना-पढ़ना सिखा दो। दिन में तो मैं चाय की गुमटी पर मजूरी पर जाता हूँ... शाम को पढ़ने आया करूँ... मैं भी अपनी मन्नत लिखकर भेजूँगा भगवानजी के पास।'

'तुझे क्या माँगना है भगवान से, जिसके लिए तूने पढ़ना-लिखना सीखने की ठान ली?'

'मैं भगवान को लिखकर विनती करूँगा कि वे मेरे पापा की शराब पीने की लत छुड़ा दें और मुझे कुछ नहीं चाहिए।'

सुनकर वे थर्रा गईं। बच्चे की माँग ठुकराने का प्रश्न ही नहीं था। वे बालक को पढ़ना-लिखना सिखा रही हैं और उन्हें उम्मीद है कि जिस दिन बालक अपनी माँग लिखकर अपने पिता को और परमात्मा को चिट्ठी लिखेगा... पिता और परमपिता दोनों ही उसकी मन्नत अवश्य पूरी करेंगे।

समुद्र में जहां प्लैंकटन बहुत कम होता है, वहां पानी बहुत साफ दिखाई देता है, यहां जीवों केलिए जिंदा रहना एक बहुत बड़ी चुनौती होती है...

समुद्रीय रेगिस्तान

प्रशांत महासागर का नाम लैटिन नाम 'टेपरे पैसिफिकम' से लिया गया है, जिसका अर्थ है- शांत समुद्र। प्रशांत महासागर पांच महासागरों में से सबसे बड़ा और गहरा महासागर है। यह पृथ्वी के एक-तिहाई हिस्से पर फैला हुआ है। यह अमेरिका से 18 गुणा बड़ा है। इतने विशाल क्षेत्र में फैले होने के कारण यहां रहने वाले जीवों में पृथ्वी के अन्य भागों के सागरों की अपेक्षा बड़ी विभिन्नता है।

प्रशांत महासागर उत्तर में आर्कटिक से दक्षिण में अंटार्कटिका, पश्चिम में एशिया व ऑस्ट्रेलिया और पूर्व में अमेरिका तक फैला हुआ है। इसमें लगभग 20,000 टापू हैं। इसकी औसत गहराई 14,000 फुट है। पश्चिम-उत्तर प्रशांत महासागर में 'द मरियाना ट्रेंच' दुनिया का सबसे गहरा प्वाइंट है। इसकी गहराई 35,800 फुट (10,911 मीटर) है। प्रशांत महासागर उत्तरी प्रशांत महासागर और दक्षिणी प्रशांत महासागर में बंटा हुआ है।

वैज्ञानिक अन्वेषकों और साहसिक नाविकों द्वारा गत सैंकड़ों सालों में महासागर के विषय में ज्ञान प्राप्त करने की अनेक कोशिशें की गईं। अब भी निरंतर प्रशांत महासागर के गर्भ के बारे में ज्ञान प्राप्त करने के लिये खोजें जारी हैं। यहां अभी भी नित नए जीवों की खोज होती रहती है।

प्रशांत महासागर दुनिया विशेषकर उन देशों की

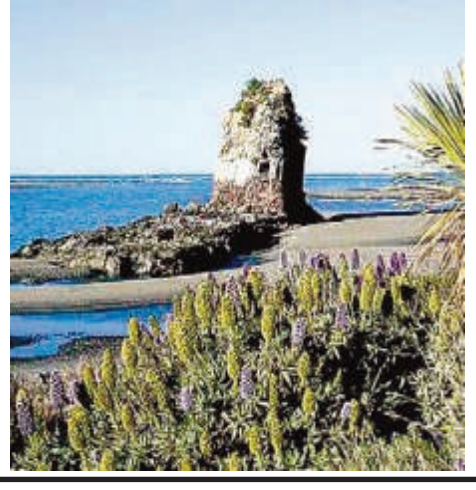

अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाता है, जिन्हें इसका पानी छूता है। यह पूर्व और पश्चिम के बीच सस्ती ट्रांसपोर्टेशन मुहैय्या कराता है। इसके ऑयल और गैस रिजर्व्स अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, चीन और पेरू की एनर्जी सप्लाई में अहम भूमिका निभाते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के पास दक्षिण प्रशांत महासागर का पानी खूबसूरत नीले रंग का है। यहां पानी जितना साफ है, उतना शायद ही कहीं हो। इसका कारण यह है कि यहां प्लैंकटन कम है। इसलिए इसे समुद्रीय रेगिस्तान भी कहते हैं। इसीलिए यहां जिंदा रहना बहुत बड़ी चुनौती है। इस इलाके में मछलियां और दूसरे समुद्री जीव बहुत कम संख्या में पाए जाते हैं।

किलर व्हेल को पकड़ने निकले एक 87 फुट लंबे जहाज को जब व्हेल ने समुद्र में पलट दिया, तो उसमें सवार 21 नाविक किसी तरह जान बचाने में कामयाब हो गए। दक्षिण प्रशांत महासागर में जिंदा रहने के लिए उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने अपने संस्मरणों में लिखा है कि समुद्र के बीच पानी की प्यास इंसान को बेइंतहा तोड़ देती है, पर वे इस बात से हैरान थे कि इस इलाके में उन्हें एक भी मछली नहीं मिल रही थी, हालांकि वे बहुत माहिर नाविक थे।

दक्षिण प्रशांत महासागर में जिंदा रहने के लिए कई जीव हजारों किलोमीटर की लंबी दूरी तय करके दूसरी जगह चले जाते हैं। वहीं दूसरी ओर, स्पर्म व्हेल कई हजार किलोमीटर की दूरी तय करके अंटार्कटिका से प्रजनन के लिए यहां के गर्म पानी में आती हैं।

शाहपुर के लाल अन्जेश जोशी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर बढ़ाया प्रदेश का मान, आयरनमैन 70.3 प्रतियोगिता की पूरी

धर्मशाला

कांगड़ा जिला के शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के कुठार गांव के युवा मरीन इंजीनियर अन्जेश जोशी ने फिलीपींस के सुबिक बे में आयोजित विश्व प्रसिद्ध एंड्योरेंस प्रतियोगिता आयरन मैन 70.3 को सफलतापूर्वक पूरा कर हिमाचल प्रदेश और देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। उधर अपने घर रैत पहुंचने पर शाहपुर के विधायक एवं उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने स्थानीय जनता के साथ अन्जेश जोशी का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक ने उन्हें शाल एवं हिमाचली टोपी पहनाकर सम्मानित किया तथा उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि अन्जेश ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ इच्छाशक्ति से क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। अन्जेश जोशी ने यह कठिन प्रतियोगिता 6 घंटे 13 मिनट 53 सेकंड में पूरी की। उन्होंने 30-34 वर्ष आयु वर्ग में 52 प्रतिभागियों के बीच 22वां स्थान प्राप्त किया, जबकि कुल 470 अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों में 142वीं रैंक हासिल की। गौरतलब है कि आयरनमैन 70.3 दुनिया की सबसे कठिन सहनशक्ति प्रतियोगिताओं में शामिल है, जिसमें प्रतिभागियों को लगातार 1.9 किलोमीटर तैराकी, 90 किलोमीटर साइकिलिंग और 21.1 किलोमीटर हाफ मैराथन दौड़ पूरी करनी होती है। पेशे से मरीन इंजीनियर अन्जेश ने समुद्र में नौकरी के दौरान जहाज पर उपलब्ध सीमित संसाधनों के बीच ट्रेडमिल और स्टेशनरी बाइक के सहारे महीनों तक कठिन अभ्यास किया।फिलीपींस की भीषण गर्मी, उमस और तेज हवाओं जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करते हुए उन्होंने अपनी शारीरिक क्षमता और मानसिक दृढ़ता का शानदार परिचय दिया। अन्जेश जोशी गांव कुठार, तहसील शाहपुर, जिला कांगड़ा के निवासी हैं। उनके पिता संजय जोशी सीआरपीएफ से सेवानिवृत्त सब-इंस्पेक्टर हैं, जबकि माता अंजना जोशी वर्तमान में झरेड़ पंचायत की प्रधान हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा केवी जम्मू एवं भनाला से प्राप्त करने के बाद पुणे के प्रतिष्ठित तुलानी मैरीटाइम इंस्टीट्यूट से बी.टेक (मरीन इंजीनियरिंग) की शिक्षा ग्रहण की। अन्जेश की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। विधायक केवल सिंह पठानिया ने उनके उवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी सफलता युवा पीढ़ी को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए प्रेरित करेगी।

न्यूज़ ब्रीफ

आस्ट्रेलियन ओपन 2026 के सेमीफाइनल में हारीं सिंधु, यामागुची ने रोका खिताबी अभियान

सिडनी। भारत की स्टार शटलर और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का आस्ट्रेलियन ओपन 2026 में शानदार सफर सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। शनिवार को खेले गए महिला एकल मुकाबले में उन्हें मौजूदा विश्व चैंपियन जापान की अकाने यामागुची ने 22-20, 21-12 से हराया। मुकाबले की शुरुआत सिंधु ने दमदार अंदाज में की और पहले गेम के अधिकांश समय बढ़त बनाए रखी। हालांकि यामागुची ने लगातार वापसी करते हुए मुकाबले को ड्यूस तक पहुंचाया और अंततः पहला गेम अपने नाम कर लिया। पहले गेम की जीत से मिली लय को जापानी खिलाड़ी ने दूसरे गेम में भी बरकरार रखा। सिंधु ने शुरुआती बढ़त बनाई, लेकिन इसके बाद यामागुची ने लगातार अंक जुटाते हुए 18-9 की मजबूत बढ़त हासिल कर ली। अंत में सिंधु का शाट नेट में जाने के साथ मुकाबला समाप्त हुआ। सिंधु ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की चेन सू-यू को मात्र 27 मिनट में 21-6, 21-9 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई थी। विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज सिंधु की यह 2026 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सत्र में दूसरी सेमीफाइनल उपस्थिति रही। इससे पहले वह जनवरी में मलेशिया ओपन के अंतिम चार तक पहुंची थीं। सिंधु इस टूर्नामेंट के जरिए सैयद मोदी इंटरनेशनल 2024 के बाद अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने की कोशिश कर रही थीं। हालांकि खिताबी दौड़ यहीं समाप्त हो गई, लेकिन उनका सेमीफाइनल तक पहुंचना इस सत्र में उनकी बेहतर होती लय का संकेत माना जा रहा है।

तेजस शिर्से ने बनाया नया राष्ट्रीय रिकार्ड, राष्ट्रमंडल खेलों के लिए किया क्वालीफाई

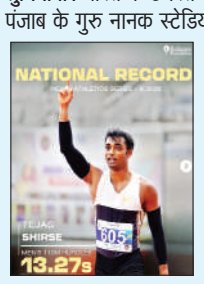

लुधियाना। भारत के उभरते एथलीट तेजस शिर्से ने पंजाब के गुरु नानक स्टेडियम में आयोजित इंडियन एथलेटिक्स सीरीज-9 में पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाकर इतिहास रच दिया। 24 वर्षीय तेजस ने यह रेस 13.27 सेकंड में पूरी की और अपना ही पुराना राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ दिया। इससे पहले उन्होंने वर्ष 2024 में 13.41 सेकंड का राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया था। तेजस का यह प्रदर्शन इस सत्र में एशियाई खिलाड़ियों के बीच पुरुष 110 मीटर बाधा दौड़ का छठा सबसे तेज समय भी बन गया है। इस शानदार प्रदर्शन के साथ तेजस ने इसी वर्ष होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। तेजस इससे पहले एशियाई खेलों के लिए भी अपना स्थान पक्का कर चुके हैं। उन्होंने पिछले महीने चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित इंडियन एथलेटिक्स सीरीज-6 में स्वर्ण पदक जीतकर एशियाई खेलों का टिकट हासिल किया था। लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे तेजस शिर्से अब भारतीय एथलेटिक्स के सबसे मजबूत दावेदारों में गिने जा रहे हैं और आने वाले बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनसे पदक की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

छोले-कुलचे की रेहड़ी से टीम इंडिया तक पहुंचा अर्जुन, अंडर-19 टीम में चयन से जालंधर में खुशी की लहर

जालंधर। दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और परिवार के सहयोग के दम पर जालंधर के युवा क्रिकेटर अर्जुन राजपूत ने वह उपलब्धि हासिल की है, जिसका सपना लाखों खिलाड़ी देखते हैं। शहर के राम नगर क्षेत्र में छोले-कुलचे की रेहड़ी लगाने वाले होती राम के बेटे अर्जुन का चयन भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम में हुआ है। आगामी 4 जुलाई को भारतीय टीम श्रीलंका दौरे के लिए रवाना होगी, जहां अर्जुन पहली बार देश की नीली जर्सी पहनकर मैदान में उतरेंगे। उनके चयन से पूरे परिवार और इलाके में खुशी का माहौल है। बाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के आफ स्पिन गेंदबाज अर्जुन ने बेहद साधारण परिस्थितियों में अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने क्रिकेट की बारीकियां हरभजन सिंह क्रिकेट अकादमी में सीखीं और लगातार मेहनत के बल पर राष्ट्रीय स्तर तक का सफर तय किया। इस दौरान उनके कोच विक्रम सिद्धू ने भी उन्हें हर कदम पर मार्गदर्शन और प्रोत्साहन दिया। भारतीय टीम में चयन होने के बाद अर्जुन ने कहा कि उन्होंने आठ-नौ वर्ष की उम्र से क्रिकेट खेलना शुरू किया था और आज यह उपलब्धि हासिल कर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं।

शुभमन गिल की कप्तानी पारी से भारत की शानदार जीत, अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया

बारिश से प्रभावित 25-25 ओवर के मुकाबले में भारत ने 195 रन का लक्ष्य आसानी से किया हासिल

रहमानुल्लाह गुरबाज का तूफानी शतक भी नहीं बचा सका अफगानिस्तान को हार से

नई दिल्ली/धर्मशाला।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल की शानदार 84 रन की पारी की बदौलत भारत ने शनिवार को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में खेले गए पहले एकदिवसीय मुकाबले में अफगानिस्तान को 7 विकेट से पराजित कर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। बारिश से प्रभावित यह मुकाबला 25-25 ओवर का खेला गया।

अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 24.5 ओवर में 194 रन बनाए। जवाब में भारत ने 22.5 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

बारिश के कारण देर से शुरू हुआ मुकाबला

धर्मशाला में दिनभर हुई रिमझिम बारिश के कारण मैच निर्धारित समय से काफी देर बाद शुरू हुआ। टॉस में लगभग तीन घंटे 45 मिनट की देरी हुई। मुकाबला शाम 5:15 बजे टॉस और 5:45 बजे मैच शुरू होने के साथ प्रारंभ हुआ।

गुरबाज का तूफानी शतक

अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए मात्र 25 गेंदों में अर्धशतक और 48 गेंदों में शतक पूरा किया। उन्होंने 102 रन की विस्फोटक पारी खेलते हुए धर्मशाला स्टेडियम में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया।

गुरबाज ने अपनी पारी में आठ चौके और आठ छक्के लगाए। उनके अलावा कप्तान हश्मतुल्लाह शाहिदी ने 27 तथा अजमतुल्लाह ओमरजई ने 26 रन का योगदान दिया। अन्य बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने ज्यादा देर टिक नहीं सके।

गुरनूर और हर्ष दुबे का सफल पदार्पण

भारत की ओर से पदार्पण कर रहे गुरनूर बराड़ और हर्ष दुबे ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन-तीन विकेट झटके। गुरनूर ने अपने पहले ही अंतरराष्ट्रीय विकेट के रूप में इब्राहिम जादरान को आउट किया।

अर्शदीप सिंह ने भी शुरुआती सफलता दिलाते हुए अफगानिस्तान को दबाव में रखा। भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर अफगानिस्तान को 200 रन के भीतर समेट दिया।

गिल ने संभाली जीत की जिम्मेदारी

195 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को कप्तान शुभमन गिल और रोहित शर्मा ने अच्छी शुरुआत दिलाई। हालांकि 16 रन के स्कोर पर रोहित शर्मा रन आउट हो गए। इस दौरान रोहित ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बतौर ओपनर अपने 16,000 रन भी पूरे किए। ईशान किशन ने 34 रन का योगदान दिया, लेकिन उन्हें राशिद खान ने बोल्ड कर दिया। उपकप्तान श्रेयस अय्यर 12 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद कप्तान शुभमन गिल ने जिम्मेदारी संभालते हुए 84 रन की शानदार पारी खेली और भारत को जीत के करीब पहुंचाया। उनकी कप्तानी पारी की बदौलत भारत ने 22.5 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और मुकाबला 7 विकेट से अपने नाम कर लिया।

भारत की इस जीत के साथ श्रृंखला का आगाज शानदार रहा, जबकि अफगानिस्तान को गुरबाज के शतक के बावजूद हार का सामना करना पड़ा।

फीफा विश्व कप 2026 बलोगुन के दो गोल से अमेरिका ने पैराग्वे को 4-1 से हराया

कैलिफोर्निया

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-डी मुकाबले में सह-मेजबान अमेरिका ने दमदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को पैराग्वे को 4-1 से हराकर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की। कैलिफोर्निया के सोफी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में स्ट्राइकर फोलारिन बलोगुन ने दो गोल दागकर जीत में अहम भूमिका निभाई।

अमेरिका ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और सातवें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। पैराग्वे के मिडफील्डर डेमियन बोबाडिला ने गेंद को रोकने की कोशिश में गलती से अपने ही गोल में पहुंचा दिया, जिससे अमेरिका को शुरुआती बढ़त मिल गई। पहले गोल के बाद अमेरिकी टीम ने लगातार दबाव बनाए रखा। पैराग्वे की रक्षा पंक्ति अमेरिकी हमलों के सामने बिखरती नजर आई और इसका फायदा उठाते हुए फोलारिन बलोगुन ने पहले हाफ में दो गोल कर अमेरिका को 3-0 की मजबूत बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ की शुरुआत में अमेरिका के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियन पुलिसिक को कोच मारिसियो पोचेटिनो ने आराम दिया। इसके बाद टीम अतिरिक्त गोल नहीं कर सकी, लेकिन मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। पैराग्वे की ओर से स्थानापन्न खिलाड़ी मारिसियो ने 74वें मिनट में एक गोल कर अंतर कम किया, लेकिन टीम वापसी नहीं कर सकी। मैच के अंतिम क्षणों में जियोवानी रेयना ने चौथा गोल कर अमेरिका की 4-1 की बड़ी जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ अमेरिका अस्थायी रूप से ग्रुप-डी में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है। अब समूह का दूसरा मुकाबला तुर्किये और आस्ट्रेलिया के बीच खेला जाएगा।

फीफा विश्व कप 2026: लारिन के देर से किए गोल ने कनाडा को हार से बचाया

नई दिल्ली। विश्व कप 2026 के ग्रुप-बी मुकाबले में शुक्रवार को सह-मेजबान कनाडा ने आखिरी समय तक संघर्ष करते हुए बोस्निया और हर्जेगोविना के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेल लिया। मुकाबले में कनाडा लंबे समय तक हार की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा था, लेकिन विकल्प खिलाड़ी के रूप में उतरे काइल लारिन ने टीम को अहम अंक दिला दिया। कनाडा इस मुकाबले में अपने कप्तान अल्फोंसो डेविस के बिना उतरा, जो हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे हैं। बोस्निया ने मैच के 21वें मिनट में बढ़त बनाई। कार्नर से आए गेंद पर जोवो लुकिच ने शानदार फिनिश करते हुए अंतरराष्ट्रीय करियर का अपना पहला गोल दागा और टीम को 1-0 से आगे कर दिया। दूसरे हाफ में कनाडा ने लगातार आक्रमण किए और 53वें मिनट में बराबरी का सुनहरा मौका मिला, लेकिन रिची लारिया का शाट बोस्निया के डिफेंडर सीड कोलासिनाक ने गोल लाइन के पास शानदार तरीके से रोक दिया। इसके बाद कनाडा ने लगातार दबाव बनाए रखा, लेकिन गोल के सामने सटीकता की कमी दिखी और बोस्निया की टीम बढ़त बचाने में सफल नजर आने लगी। हालांकि 76वें मिनट में मैदान पर आए काइल लारिन ने मैच का रुख बदल दिया। मैदान में आने के तीन मिनट बाद ही उन्होंने बाक्स के अंदर घूमकर जोरदार शाट लगाया, जो डिफ्लेक्शन लेकर गोल में बदल गया और कनाडा ने 1-1 की बराबरी कर ली।

विश्व कप से पहले जापान को बड़ा झटका, कप्तान वातारू एंडो ने चोट के कारण लिया संन्यास

नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 के आगाज से ठीक पहले जापान की फुटबाल टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के कप्तान और इंग्लिश क्लब लिवरपूल के स्टार मिडफील्डर वातारू एंडो चोट के कारण न केवल विश्व कप से बाहर हो गए हैं, बल्कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास लेने की भी घोषणा कर दी है। 33 वर्षीय एंडो के इस फैसले के साथ जापान की राष्ट्रीय टीम के साथ उनका लगभग एक दशक लंबा सफर समाप्त हो गया। जापान का पहला मुकाबला 15 जून को ग्रुप एफ में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेला जाना है, लेकिन उससे पहले कप्तान के बाहर होने की खबर ने टीम की तैयारियों को प्रभावित किया है। एंडो ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने संन्यास और विश्व कप टीम से हटने की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि चोट से उबरकर टूर्नामेंट में खेलने के लिए उन्होंने हर संभव प्रयास किया, लेकिन पूरी तरह फिट नहीं हो सके।

अपने भावुक संदेश में एंडो ने कहा कि उन्होंने वापसी के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी और इस बात का उन्हें कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने स्वीकार किया कि विश्व कप में हिस्सा नहीं ले पाने का दुख जरूर है, लेकिन उससे कहीं अधिक गर्व उन्हें इस बात का है कि कतर विश्व कप के बाद जापानी टीम ने लगातार प्रगति की और खुद को मजबूत बनाया। एंडो ने मौजूदा जापानी टीम पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि वर्तमान टीम बेहद प्रतिभाशाली और मजबूत है। उनके अनुसार खिलाड़ी किसी भी चुनौती का सामना करने की क्षमता रखते हैं और इस विश्व कप में ऐसा प्रदर्शन कर सकते हैं, जो पहले कभी देखने को नहीं मिला। उन्होंने उम्मीद जताई कि जापान भविष्य में विश्व कप जीतने का अपना सपना जरूर पूरा करेगा।

वातारू एंडो जापान के सबसे भरोसेमंद मिडफील्डरों में गिने जाते हैं। उनकी नेतृत्व क्षमता, खेल की समझ और मैदान पर अनुशासन ने उन्हें राष्ट्रीय टीम का अहम स्तंभ बनाया। पिछले दस वर्षों में उन्होंने जापानी फुटबाल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अब एंडो एक प्रशंसक के रूप में टीम का समर्थन करेंगे। उनके संन्यास से जापानी फुटबाल का एक महत्वपूर्ण अध्याय समाप्त हो गया है, लेकिन उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों के खिलाड़ियों को प्रेरित करती रहेगी। विश्व कप से ठीक पहले कप्तान की विदाई जापान के लिए भावनात्मक क्षण है, वहीं टीम के सामने उनके बिना बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती भी होगी।

महिला टी20 विश्व कप 2026: हाज के ऐतिहासिक शतक से इंग्लैंड की धमाकेदार शुरुआत, श्रीलंका को 87 रन से हराया

एजबेस्टन

महिला टी20 विश्व कप 2026 के उद्घाटन मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को शुक्रवार देर रात 87 रन से हराकर टूर्नामेंट का विजयी आगाज किया। इंग्लैंड की जीत की सबसे बड़ी नायिका सलामी बल्लेबाज डैनी वायट-हाज रहीं, जिन्होंने 62 गेंदों में नाबाद 105 रन की ऐतिहासिक पारी खेली। यह महिला टी20 विश्व कप इतिहास का केवल सातवां शतक रहा।

एजबेस्टन में खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 1 विकेट पर 219 रन बनाए, जो महिला टी20 विश्व कप इतिहास का सबसे बड़ा टीम स्कोर भी बन गया। इंग्लैंड की शुरुआत तेज रही। एमी जोन्स ने 38 गेंदों पर 53 रन बनाए जबकि कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने सिर्फ 22 गेंदों में 46 रन की तूफानी पारी खेली।

वायट-हाज और एमी जोन्स ने पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। वायट-हाज ने अपनी पारी में 13 चौके और एक छक्का लगाया तथा सिर्फ 32 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। अंतिम ओवरों में साइवर-ब्रंट और वायट-हाज ने तेजी से रन बटोरे।

आखिरी ओवर में इंग्लैंड ने 26 रन जोड़े और वायट-हाज ने अपना शतक पूरा करते हुए टीम को 200 के पार पहुंचा दिया। 220 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पावरप्ले में ही 37 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। विश्मी गुणरत्ने, चमारी अथापथु और इमेशा दुलानी सस्ते में आउट हो गईं। इंग्लैंड की गेंदबाज फ्रेया केम्प ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट लेकर श्रीलंका की कमर तोड़ दी। शार्लेट डीन और सोफी एक्लेस्टोन ने दो-दो विकेट हासिल किए। श्रीलंका की ओर से निलाक्षिका सिल्वा ने 33 गेंदों पर 39 रन बनाए, लेकिन टीम 20 ओवर में 132 रन ही बना सकी।

संक्षिप्त स्कोर:

इंग्लैंड - 219/1 (20 ओवर)
डैनी वायट-हाज 105* (62), एमी जोन्स 53 (38), नैट साइवर-ब्रंट 46 (22)

श्रीलंका - 132 (20 ओवर)
निलाक्षिका सिल्वा 39 (33)
फ्रेया केम्प 4/22, शार्लेट डीन 2/18, सोफी एक्लेस्टोन 2/27

परिणाम: इंग्लैंड 87 रन से विजयी।

स्वच्छ ऊर्जा अपनाने हेतु जन-जागरूकता फैलाने बीकानेर पहुंची अवादा भारत उदय यात्रा

नुक्कड़ नाटकों और जन-संवाद के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा का संदेश

देश के 9 राज्यों और 27 शहरों में पहुंचाएगी सस्टेनेबिलिटी का संदेश

सौर, पवन और जल ऊर्जा के प्रति बढ़ रही लोगों की रुचि : विनीत मित्तल

बीकानेर, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी अवादा ग्रुप द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी जन-जागरूकता अभियान अवादा भारत उदय यात्रा शुक्रवार को बीकानेर पहुंची। यात्रा का उद्देश्य नागरिकों को स्वच्छ एवं अक्षय ऊर्जा के महत्व से अवगत कराना तथा उन्हें पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

अवादा ग्रुप के पास वर्तमान में 17.7 गीगावाट पीक (ऋथ्) से अधिक का अक्षय ऊर्जा पोर्टफोलियो है, जो कंपनी की मजबूत निष्पादन क्षमता और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में उसकी अग्रणी भूमिका को दर्शाता है।

8 मई को नोएडा से हुई थी यात्रा की शुरुआत

यह यात्रा 8 मई 2026 को कंपनी के नोएडा स्थित मुख्यालय से रवाना हुई थी। राष्ट्रव्यापी जागरूकता आंदोलन के रूप में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य जमीनी स्तर पर लोगों के बीच स्वच्छ ऊर्जा की समझ को मजबूत करना है, ताकि वे इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएं और सतत विकास को बढ़ावा दें।

यात्रा के माध्यम से लोगों को यह संदेश दिया जा रहा है कि भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में अधिक स्वच्छ, आत्मनिर्भर और टिकाऊ भविष्य की ओर बढ़ना चाहिए।

पांच राज्यों के 15 शहरों में पहुंच चुकी है यात्रा

विशेष रूप से डिजाइन की गई यह जागरूकता वैन अब तक उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, ओडिशा और महाराष्ट्र सहित पांच राज्यों के 15 शहरों का दौरा कर चुकी है तथा लगभग 6,584 किलोमीटर की दूरी तय कर चुकी है।

ऑन-ग्राउंड गतिविधियों, जन-भागीदारी कार्यक्रमों और संवाद अभियानों के माध्यम से यात्रा विभिन्न वर्गों के लोगों से जुड़ रही है। बीकानेर में भी स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों तथा विभिन्न संस्थानों की ओर से यात्रा को उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। इससे यह स्पष्ट हुआ कि सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और पनबिजली जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के प्रति लोगों की रुचि लगातार बढ़ रही है।

बीकानेर प्रवास के दौरान कई रोचक और जागरूकता आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए। नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा की अवधारणा को सरल भाषा में समझाया गया। इसके अलावा स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के लिए विशेष संवाद सत्र आयोजित किए गए।

लोगों को डिजिटल ङ्घग्रीन प्लेजफ लेने का अवसर भी दिया गया, जिसके माध्यम से उन्हें पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

स्वच्छ ऊर्जा आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला : विनीत मित्तल

इस अवसर पर अवादा ग्रुप के चेयरमैन विनीत मित्तल ने कहा कि अब समय आ गया है जब देश को पूरी तरह प्राकृतिक और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा, बाहरी संसाधनों पर निर्भर रहने के बजाय स्वयं ऊर्जा उत्पादन करना देश की सुरक्षा और प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है। ङ्घअवादा भारत उदय यात्राफ के माध्यम से हमारा प्रयास स्वच्छ ऊर्जा को हर घर तक पहुंचाना है, ताकि यह केवल एक अभियान न रहकर जन-आंदोलन का स्वरूप ले सके।

अब नोएडा की ओर बढ़ेगी यात्रा

बीकानेर में सफल पड़ाव के बाद ङ्घअवादा भारत उदय यात्राफ अब अपने अगले चरण में नोएडा की ओर अग्रसर होगी और स्वच्छ ऊर्जा तथा सतत जीवनशैली के प्रति जागरूकता का संदेश फैलाती रहेगी।

उल्लेखनीय है कि इस अभियान के लिए दो विशेष रूप से तैयार की गई वैन देशभर में 35 दिनों के दौरान 9 राज्यों और 27 शहरों का भ्रमण करेंगी तथा सस्टेनेबिलिटी और स्वच्छ ऊर्जा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएंगी।

सांसद साना सतीश बाबू ने परिवार सहित किए श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन

विजयवाड़ा/तिरुपति, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

राज्यसभा सदस्य साना सतीश बाबू ने शनिवार को अपने परिवार के सदस्यों के साथ तिरुमला पहुंचकर श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए और उनके प्रति अपनी गहरी श्रद्धा व भक्ति प्रकट की। शनिवार तड़के स्वामी जी की सेवा (वीआईपी दर्शन/पूजा) में भाग लेने के बाद, साना सतीश बाबू ने अपने परिवार के साथ मिलकर विशेष पूजा-अर्चना की।

इसके बाद, मंदिर के रंगनायकुला मंडपम में वेद विद्वानों और पुजारियों ने उन्हें वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आशीर्वाद (वेदाशीर्वचनम) दिया और मंदिर का पवित्र तीर्थ-प्रसाद भेंट किया।

श्रीमद्भागवत कथा में श्रद्धालुओं ने लिया श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाहोत्सव का आनंद

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बेगमपेट में परम पावन पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) के उपलक्ष्य में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो रहे हैं। कथा के दौरान व्यासपीठ पर विराजमान पंडित मनोज त्रिवेदी श्रीमाली ने भगवान श्रीकृष्ण एवं माता रुक्मिणी के दिव्य विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन कर उपस्थित श्रद्धालुओं को श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाहोत्सव का आनंद कराया।

कथावाचक ने विवाह प्रसंग की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी का दिव्य मिलन प्रेम, श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक है। उनके मधुर वर्णन एवं भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर भक्ति में लीन हो गए। कथा स्थल पर बड़ी संख्या में भागवत भक्तजन उपस्थित रहे और भगवान श्रीकृष्ण के जयघोष के साथ विवाहोत्सव में सहभागिता कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

अधिक मास में श्री कोटा दुर्गम्मा मंदिर में 50 दंपतियों ने किया सत्यनारायण व्रत

बांसवाड़ा, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अधिक मास के पावन अवसर पर शनिवार को बांसवाड़ा शहर की कोटा गली स्थित श्री कोटा दुर्गम्मा मंदिर में 50 दंपतियों ने सामूहिक रूप से श्री सत्यनारायण स्वामी व्रत संपन्न किया। कार्यक्रम का आयोजन दंडी आश्रम पीठाधीश्वर दंडी सुदर्शन स्वामीजी के मार्गदर्शन में तथा मंदिर के पुजारी अरुण कुलकर्णी एवं विश्वंभर राव कुलकर्णी के नेतृत्व में किया गया।

वेद विद्वानों ने बताया कि अधिक मास तीन वर्ष में एक बार आता है और शास्त्रों के अनुसार इस अवधि में व्रत, पूजा एवं धार्मिक अनुष्ठानों का विशेष महत्व होता है। इस अवसर पर देवी कोटा दुर्गम्मा का विशेष पूजन, अभिषेक एवं कुमकुमार्चन भी किया गया।

कार्यक्रम के उपरांत अन्नदाता पुलकांति संध्या अर्जुन रेड्डी के सहयोग से श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद एवं भोजन वितरण किया गया। आयोजन में मंदिर समिति के सदस्यों, महिलाओं एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

श्री शांतिनाथ मंदिर काचीगुड़ा में श्री गुण गुलाब महिला मंडल द्वारा आयोजित पंच कल्याणक पूजा में भाग लेते हुए रिद्धिश जागीरदार, भँवरलाल धोका, लक्ष्मी बेन, जया जागीरदार, सुशीला सवला, कुसुम रामभिया एवं अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

डील आज...

उन्होंने उम्मीद जताई कि यह समझौता क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति और स्थिरता का आधार बनेगा। कतर के पीएम और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जस्सिम अल थानी से फोन पर वार्ता के दौरान शरीफ ने दावा किया कि शांति समझौता हस्ताक्षर के लिए पूरी तरह तैयार है और बहुत जल्द इसे अंतिम रूप दिया जा सकता है।

पाकिस्तान पीएम कार्यालय ने उनके बयान को एक्स पर साझा भी किया। हालांकि, शरीफ के बयान पर बघाई ने कहा कि समझौते की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन अमेरिका के बार-बार रुख बदलने के रवैये को देखते हुए किसी निश्चित समयसीमा पर टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। समझौते पर रविवार को हस्ताक्षर होना संभव नहीं है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक्स पर लिखा कि संभावित समझौते में अब भी बदलाव संभव हैं, लेकिन इससे यह स्पष्ट हुआ है कि युद्ध के बाद ईरान पहले से अधिक मजबूत होकर उभरा है।

उन्होंने दावा किया कि अमेरिका के साथ संघर्ष में ईरान विजेता रहा है। अराघची ने कहा कि ईरान यूरेनियम को तरल रूप में संरक्षित रखना चाहता है। उन्होंने कहा कि समझौता दो चरणों में लागू होगा। पहले चरण में परमाणु मुद्दे को शामिल नहीं किया जाएगा, जबकि दूसरे चरण में इस पर चर्चा होगी।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि एमओयू के प्रविधानों का पालन नहीं हुआ तो अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर नहीं होंगे। उनके अनुसार, पहले चरण में ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी हटाने का प्रविधान शामिल है।

साथ ही, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों से टोल नहीं, बल्कि सेवा शुल्क लिया जाएगा। योजना में ईरान को मुआवजा भुगतान का प्रविधान भी शामिल है।

इस बीच, अमेरिकी बलों ने होर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर उड़ान भर रहे कई हमलावर ड्रोन मार गिराए। न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, ये ड्रोन अंतरराष्ट्रीय समुद्री यातायात के लिए खतरा बन सकते थे।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कहा कि समुद्री मार्ग पूरी तरह खुला है। सेंटकाम के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय व्यापार गलियारे में बाधा डालने की कोशिशों को विफल कर दिया गया। ईरान की तरफ से फिलहाल टिप्पणी नहीं की गई है।

ओमान में टैंकर पर हमलायूके मैरिटाइम ट्रेड आपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने दावा किया है कि ओमान के समुद्री क्षेत्र में एक टैंकर पर राकेट से हमला किया गया। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने या पर्यावरणीय नुकसान की सूचना नहीं है। हमला झेलने के बावजूद टैंकर परिचालन स्थिति में रहा और अपनी यात्रा जारी रखी।

लेबनान में जारी रहे हमलेदक्षिणी लेबनान में शनिवार को भी इजरायली हमले जारी रहे। इन हमलों में चार लोगों की मौत हो गई। पहले टायर जिले के माराकेह क्षेत्र में एक व्यक्ति और जेज्जीन जिले की रिहान नगरपालिका के मेयर की मौत की पुष्टि हुई।

बाद में नबातियेह जिले के देइर अल-जहरानी क्षेत्र में हुए हवाई हमले में दो और लोगों की जान चली गई। हमले में एक रिहायशी इमारत भी पूरी तरह तबाह हो गई। वहीं, हिजबुल्ला ने जवाबी कार्रवाई करते हुए उत्तरी इजरायल पर हमले किए।

मोदी-ट्रंप...

सहयोग बढ़ाने पर भी जोर देंगे।

फ्रांस पहुंचने के बाद सोमवार शाम राष्ट्रपति ट्रंप की पहली द्विपक्षीय बैठक फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ होगी। इसके बाद मंगलवार सुबह वह जी7 नेताओं के साथ आधिकारिक स्वागत कार्यक्रम और वर्किंग डिनर में शामिल होंगे। इसी दिन वह यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की समेत जी7 के अन्य नेताओं के साथ एक विशेष कार्य सत्र में हिस्सा लेंगे। मंगलवार को ट्रंप की कूटनीतिक व्यस्तता बढ़ जाएगी। वो कतर के अमीर के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति के साथ भी उनकी अलग बैठक प्रस्तावित है। इसके अलावा जी7 के नेताओं के साथ वर्किंग लंच में शामिल होंगे। अंतरराष्ट्रीय निवेश साझेदारी को लेकर जी7 आउटरीच पार्टनर्स के साथ भी एक अहम सत्र आयोजित होगा।

बुधवार को राष्ट्रपति ट्रंप का कार्यक्रम ज्यादा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वो आर्थिक विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित एक अतिरिक्त कार्य सत्र में जी7 नेताओं और आउटरीच पार्टनर्स के साथ भाग लेंगे। इसके बाद मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच बहुप्रतीक्षित द्विपक्षीय वार्ता होगी।

क्या दोस्त...

इस बयान को अमेरिका के सख्त रुख के तौर पर देखा जा रहा है। घटना के बाद सबसे पहले भारत ने नई दिल्ली में अमेरिकी कार्यवाहक राजदूत को तलब कर विरोध दर्ज कराया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर हमले तुरंत बंद होने चाहिए और क्षेत्र में शांति का रास्ता केवल बातचीत और कूटनीति से ही निकल सकता है।

पवन खेड़ा ने क्या कहा?

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में तीन भारतीय नाविकों की मौत के मामले में केंद्र सरकार और अमेरिका दोनों की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि भारत को अमेरिका से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए थी। खेड़ा ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने न तो जिम्मेदारी स्वीकार की और न ही माफी मांगी। साथ ही उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर की प्रतिक्रिया को भी पर्याप्त नहीं बताया।

देश ने...

शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती है। दुख की इस घड़ी में पूरी वायुसेना शहीदों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है।

हादसे की गंभीरता को देखते हुए भारतीय वायुसेना के शीर्ष अधिकारियों ने इस बात की उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी है कि आखिर यह दुर्घटना कैसे हुई। जोरहाट एयरबेस के पास हुए इस क्रैश के पीछे क्या कारण थे- क्या कोई तकनीकी खराबी थी, इंजन फेलियर हुआ था या मौसम की खराबी की वजह से यह हादसा हुआ- इन सभी पहलुओं की बारीकी से जांच करने के लिए मकोर्ट ऑफ इंक्वायरीफ गठित की गई है। बचे हुए को-पायलट का बयान भी इस जांच में बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा, क्योंकि वे ही हादसे के समय कॉकपिट में मौजूद थे।

धीरज सेठ...

अपने 40 साल के सैन्य सफर के दौरान उन्होंने सामरिक, ऑपरेशनल और संस्थागत स्तर पर व्यापक अनुभव हासिल किया है।

सैन्य शिक्षा के मामले में भी वह हमेशा अव्वल रहे हैं। उन्होंने जूनियर कमांड कोर्स में पहला स्थान हासिल किया था। डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज में मबेस्ट ऑल राउंड स्टूडेंट ऑफिसरफ का पदक जीता था। उन्होंने भारत के नेशनल डिफेंस कॉलेज और फ्रांस के पेरिस में आयोजित प्रतिष्ठित मकमांड एंड स्टाफ कोर्सफ में भी हिस्सा लिया है, जो उनके वैश्विक रणनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को भारतीय सेना के इतिहास में एक बेहद दुर्लभ गौरव हासिल है। उन्होंने अपने करियर में दो परिचालन सेना कमांड की कमान संभाली है...साउथ वेस्टर्न कमांड (दक्षिण पश्चिमी कमान) और सदर्न कमांड (दक्षिणी कमान)।

पश्चिमी मोर्चे पर ढाई साल से अधिक समय तक रणनीतिक निरीक्षण प्रदान करने का उनके पास अनूठा अनुभव है। लेफ्टिनेंट जनरल के रूप में उन्होंने भारतीय सेना के प्रमुख स्ट्राइक फॉर्मेशन में से एक, सुदर्शन चक्र कॉर्प्स की कमान संभाली थी। वह दिल्ली क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) भी रह चुके हैं, जहां उन्होंने प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सैन्य कार्यक्रमों और गणतंत्र दिवस जैसे बड़े समारोहों की कमान संभाली थी।

रेगिस्तान से लेकर कश्मीर की वादियों तक में कमान

धीरज सेठ ने हर प्रकार के कठिन भौगोलिक और परिचालन परिवेश में देश की सेवा की है। उनके प्रमुख कमांड असाइनमेंट में शामिल हैं...रेगिस्तानी क्षेत्र: एक आर्मर्ड रेजिमेंट (टैंक रेजिमेंट) की कमान संभाली।

पश्चिमी थिएटर: एक आर्मर्ड ब्रिगेड का नेतृत्व किया।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों के बीच एक काउंटर इंसर्जेंसी फोर्स का सफल नेतृत्व किया।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत का नाम रोशन किया है। वह अंगोला में संयुक्त राष्ट्र मिशन के साथ ऑपरेशंस ऑफिसर के रूप में काम कर चुके हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को भारतीय सेना में फोर्स मॉडर्नाइजेशन का मुख्य वास्तुकार माना जाता है। उन्होंने सेना मुख्यालय के रणनीतिक योजना और क्षमता विकास विभागों में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है।

एसआईटी गठित...

जानकारी सामने आई है। दोनों कर्मचारियों की जिम्मेदारी मंदिर में आने वाले चढ़ावे की गिनती और उससे जुड़े कार्यों की थी।

बताया जा रहा है कि दोनों कर्मचारियों को हर माह लगभग 18 से 20 हजार रुपये वेतन मिलता था, लेकिन हाल के महीनों में उनकी संपत्तियों में असामान्य वृद्धि की चर्चा जांच एजेंसियों के रडार पर है।

जानकारी के मुताबिक, एक कर्मचारी ने लगभग डेढ़ करोड़ रुपये मूल्य की भूमि खरीदी, जबकि दूसरे ने करीब 40 लाख रुपये का प्लॉट लिया है।

वहीं, आरोपी बताए जा रहे लवकुश मिश्रा के पिता बच्चूलाल ने अपने बेटे का बचाव करते हुए कहा कि उनका पुत्र निर्दोष है। उन्होंने स्वीकार किया कि जांच टीम को उनके घर से 10 लाख रुपये मिले हैं, लेकिन फैजाबाद में निर्माणाधीन मकान से उनके बेटे का कोई संबंध नहीं है। उनका दावा है कि मकान निर्माण के लिए उन्होंने अपनी कृषि भूमि गिरवी रखी है।

सूत्रों के अनुसार जांच टीम में छह सदस्य शामिल थे, जिनमें दो पुलिसकर्मी वर्दी में तथा चार अन्य सिविल ड्रेस में थे। ग्रामीणों का कहना है कि तलाशी के दौरान नकदी घर की आलमारी और अन्य स्थानों से बरामद की गई। गांव में यह भी चर्चा है कि मंदिर में नौकरी मिलने के बाद लवकुश मिश्रा की आर्थिक स्थिति में तेजी से बदलाव आया था।

इधर, राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र भी पांच दिनों के भीतर दूसरी बार अयोध्या पहुंचे। हालांकि उन्होंने कथित धन गबन के मामले पर टिप्पणी करने से बचते हुए कहा कि उनकी जिम्मेदारी केवल मंदिर निर्माण कार्यों की निगरानी तक सीमित है।

आईएएस अफसर के नेतृत्व में जांच

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर उत्तर प्रदेश शासन ने दान चोरी की जांच के लिए विशेष जांच दल (सीट) का गठन किया है। इसका अध्यक्ष लखनऊ के कमिश्नर आईएएस विजय विश्वास पंत को बनाया गया है। इसमें आईपीएस किरन एस और विशेष सचिव (वित्त) नील रतन को सदस्य नियुक्त किया गया है। सीट को सात दिनों के भीतर प्रारंभिक रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही उसे 15 दिनों के भीतर अपनी अंतिम जांच रिपोर्ट शासन को सौंपनी होगी।

पीओके में ...

प्रदर्शनकारी पाकिस्तान सरकार पर समस्याओं की अनदेखी का आरोप लगा रहे हैं। अपने अधिकारों की मांग कर रहे हैं।

इस आंदोलन की अगुवाई जम्मू-कश्मीर जॉइंट आवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) कर रही है। पाकिस्तान ने इस संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकारी पक्ष का कहना है कि जेएएसी की गतिविधियों से कानून-व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। संगठन का आरोप है कि वो शांतिपूर्ण तरीके से लोगों की आवाज उठा रहा है।

इसे दबाने की कोशिश की जा रही है। रावलकोट में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान कई भावनात्मक बयान सामने आए। आयोजकों में शामिल सरदार अमन खान ने प्रदर्शनकारियों से पीछे न हटने की अपील की। उन्होंने कहा कि आंदोलन अब ऐसे मोड़ पर पहुंच चुका है जहां लोग अपने अधिकारों के लिए हर कीमत चुकाने को तैयार हैं। उनके बयान और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। प्रदर्शन में शामिल कुछ लोगों ने पाकिस्तान सरकार के खिलाफ तीखी नाराजगी जाहिर की है। उनका कहना है कि वर्षों से क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को नजरअंदाज किया गया है। लोग जब अपने अधिकारों की बात करते हैं, उन्हें दबाने की कोशिश की जाती है।

पीओके में चल रहे आंदोलन के केंद्र में छह प्रमुख मुद्दे बताए जा रहे हैं। प्रदर्शनकारी बिजली संकट, बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी को लेकर नाराज हैं। उनका आरोप है कि स्थानीय संसाधनों का दोहन तो किया जाता है, लेकिन उसका लाभ क्षेत्र के लोगों को नहीं मिलता।

इसके अलावा 27 जुलाई को प्रस्तावित चुनावों में 45 में से 12 सीटें शरणार्थियों के लिए आरक्षित किए जाने का भी विरोध हो रहा है। आंदोलनकारी इसे स्थानीय प्रतिनिधित्व के खिलाफ बता रहे हैं। राजनीतिक उपेक्षा, इंटरनेट प्रतिबंध और जेएएसी पर लगाए गए प्रतिबंध को भी विरोध की बड़ी वजहों में गिना जा रहा है।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पूरे इलाके में इंटरनेट सेवाओं पर पाबंदियों के जरिए उनकी आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। वहीं पाकिस्तान सरकार का तर्क है कि सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी कदम उठाए गए हैं।

इस पूरे घटनाक्रम पर भारत ने भी प्रतिक्रिया दी है। भारतीय पक्ष ने पीओके में हो रही घटनाओं को लेकर चिंता जताते हुए कहा है कि यह स्थिति पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्रों में लोगों के अधिकारों से जुड़े गंभीर सवाल खड़े करती है। भारत का कहना है कि वहां के लोगों को लोकतांत्रिक अवसर मिलने चाहिए।

अल-नीनो की...

लेकिन अल-नीनो के दौरान ये हवाएं कमजोर पड़ जाती हैं, जिसके कारण मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर (विशेष रूप से पेरू के तट के पास) की सतह का पानी असामान्य रूप से गर्म हो जाता है। जब समुद्र का यह विशाल हिस्सा गर्म होता है, तो हवाओं के पैटर्न और वैश्विक रेन साइकिल में भारी उथल-पुथल मच जाती है। समुद्र की यह गर्मी वायुमंडल में फैलने में थोड़ा समय लेती है, जिसका असली विनाशकारी रूप इसके शुरू होने के अगले साल वैश्विक तापमान में रिकॉर्ड बढ़ोतरी के रूप में सामने आता है।

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस बार का अल-नीनो साल 1950 के बाद से अब तक के इतिहास के सबसे शक्तिशाली और खतरनाक अल-नीनो पैटर्न्स में से एक साबित हो सकता है, जिसकी तीव्रता नवंबर से जनवरी के बीच चरम पर होगी।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, अल-नीनो का सबसे पहला और घातक असर देश के मॉनसून पर पड़ने जा रहा है। जून के महीने में मॉनसून की शुरुआत भले ही सामान्य दिख रही हो, लेकिन मुख्य मॉनसूनी महीनों- जुलाई और अगस्त में इसका असर साफ दिखने लगेगा। देश के मुख्य अनाज उत्पादक राज्यों, जैसे मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा सहित मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत में बारिश की भारी कमी देखी जा सकती है।

वर्तमान में देश के कई प्रमुख जलाशयों और बांधों में पानी का स्तर पहले से ही चिंताजनक रूप से नीचे है। यदि जुलाई-अगस्त के महत्वपूर्ण हफ्तों में बारिश नहीं होती है, तो धान, सोयाबीन, मक्का और कपास जैसी खरीफ फसलों की बुआई और पैदावार बुरी तरह प्रभावित होगी। इसी खतरे को भांपते हुए केंद्रीय और राज्य सरकारों ने लगभग 200 से अधिक जिलों में अलर्ट जारी कर किसानों को कम पानी में उगने वाली फसलें चुनने और सिंचाई के वैकल्पिक इंतजाम करने की सलाह दी है। कृषि संकट का सीधा असर देश में खाद्य महंगाई के रूप में सामने आ सकता है, जिससे आने वाले समय में आम जनता की जेब पर बोझ बढ़ेगा। जलवायु वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इंसानी गतिविधियों और जीवाश्म ईंधनों (पेट्रोल-डीजल) के अंधाधुंध इस्तेमाल के कारण धरती पहले से ही रिकॉर्ड स्तर पर गर्म चल रही है। ऐसे में एक सुपर अल-नीनो का आना आग में घी डालने जैसा काम करेगा। यूनियन ऑफ कंसर्न्ड साइंटिस्ट्स के विशेषज्ञों का कहना है कि ग्लोबल वार्मिंग और अल-नीनो मिलकर एक ऐसी खतरनाक टीम बना रहे हैं, जो दुनिया भर के मौसम को पूरी तरह अनियंत्रित कर देगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भागनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 14 जून, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्री आईजी गौशाला में प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव एवं ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न

राधे-कृष्ण एवं आईमाताजी मंदिर की 14वीं वर्षगांठ पर हुआ भव्य आयोजन

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में राधे-कृष्ण एवं आईमाताजी मंदिर की 14वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव एवं ध्वजारोहण कार्यक्रम गौ भक्तों द्वारा श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में उपाध्यक्ष कालूराम काग एवं सचिव हुक्माराम सानपुरा ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों से सजाया गया तथा पंडितजी द्वारा राधे-कृष्ण एवं आईमाताजी का विशेष श्रृंगार एवं पूजन किया गया।

सांची ज्योत के साथ निकली भव्य शोभायात्रा

कार्यक्रम के दौरान गौशाला से सांची ज्योत गाजे-बाजे के साथ भव्य रूप से श्री आईजी गौशाला प्रांगण पहुंची। भगवान श्रीकृष्ण के मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात महिलाओं द्वारा मंगल गीतों के बीच राधे-कृष्ण एवं आईमाताजी मंदिर पर ध्वजारोहण किया गया। इसके बाद भगवान की महाआरती संपन्न हुई।

इस अवसर पर आईमाताजी भजन मंडली, बालाजी नगर के अचलाराम हाम्बड़, मोहनलाल भायल, चेतननाथ एवं गिरधारीलाल सहित अन्य भजन गायकों ने भक्ति रस से ओत-प्रोत प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

गौ भक्तों एवं श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की विशेष व्यवस्था भी की गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की।

समाजजनों की रही उल्लेखनीय उपस्थिति

गौशाला अध्यक्ष मंगलाराम पंवार ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं एवं समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, उपाध्यक्ष कालूराम काग, सचिव हुक्माराम सानपुरा, कोषाध्यक्ष नारायणलाल परिहार, श्री आईजी सेवा संघ के अध्यक्ष भगाराम मुलेवा, सीरवी समाज बालाजी नगर बड़ेर के सचिव हीरालाल चोयल, उपाध्यक्ष नारायणलाल बर्फा, श्री सालासर बालाजी भक्त मंडल हैदराबाद के संरक्षक विकास शर्मा, अध्यक्ष महेश बागड़ी, श्री श्री 1008 संत श्री गुलारामजी महाराज सेवा संघ के सोहन भाई, श्री वीर तेजाजी कार्टन एसोसिएशन मारवाड़ी ग्रुप सिकंदराबाद, तेलंगाना के बनवारीलाल, पारसमल शर्मा, मोतीलाल काग, नेमाराम काग, माधुराम चोयल, मांगीलाल परिहारिया, किशनलाल पंवार, नारायणलाल, अशोक प्रजापत सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, महिलाएं एवं श्रद्धालु उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष मंगलाराम पंवार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम द्वारा भव्य भक्ति संध्या का आयोजन आज

आचार्य महाप्रज्ञ शिक्षा सहयोग योजना के समर्थनार्थ होगा आयोजन

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आचार्य महाप्रज्ञ शिक्षा सहयोग योजना के अंतर्गत तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ), हैदराबाद द्वारा एक भव्य भक्ति संध्या का आयोजन 14 जून 2026 (रविवार) को सायं 6:01 बजे से भारतीय विद्या भवन, किंग कोटी में किया जाएगा।

इस भक्ति संध्या में श्रद्धानिष्ठ भजन गायक कमल सेठिया अपनी सुमधुर भजन प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भक्ति रस से सराबोर करेंगे। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं एवं भक्ति प्रेमियों को इस आध्यात्मिक संध्या में सपरिवार सहभागिता हेतु आमंत्रित किया है। कार्यक्रम स्थल पर सायं 6:01 बजे से 7:00 बजे तक अल्पाहार की व्यवस्था भी रहेगी।

कार्यक्रम के बैनर का विमोचन मुनि श्री दीप कुमारजी आदि ठाणा-2 के पावन सान्निध्य में श्री सुरेश संचेती के निवास पर किया गया। इस अवसर पर मुनि श्री ने कार्यक्रम के पीछे निहित शिक्षा सहयोग के उद्देश्य की सराहना करते हुए तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम को आयोजन की सफलता के लिए मंगल आशीर्वाद प्रदान किया।

बैनर विमोचन कार्यक्रम में टीपीएफ के निवर्तमान अध्यक्ष पंकज संचेती, स्थानीय अध्यक्ष विरेंद्र घोषल, सदस्य रोहन जैन, जय सिंह सुराना सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

आयोजकों के अनुसार इस भव्य भक्ति संध्या का प्रमुख उद्देश्य आचार्य महाप्रज्ञ शिक्षा सहयोग योजना को सशक्त बनाना है। इस योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने में सहयोग प्रदान किया जाता है।

टीपीएफ ने सभी श्रद्धालुओं एवं समाजजनों से इस आयोजन में भाग लेकर न केवल भक्ति का आनंद लेने, बल्कि शिक्षा सेवा के इस पुनीत कार्य में सहयोग देने का आग्रह किया है।

कार्यक्रम में टीपीएफ की राष्ट्रीय टीम से राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत तथा कार्यक्रम के राष्ट्रीय संयोजक प्रवीण सिरोहिया विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे, जिससे आयोजन को राष्ट्रीय स्तर की गरिमा प्राप्त होगी।

सेवा का अवसर बड़े भाग्य से मिलता है, मानवता की सच्ची पूजा है परोपकार : महेश गोयल

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने शनिवार को नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं समर्पण भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंदों की सेवा करते हुए मानवता, करुणा और परोपकार का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश गोयल ने कहा कि सेवा का अवसर बड़े भाग्य से प्राप्त होता है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना ही सच्चे अर्थों में धर्म और मानवता की सेवा है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर निस्वार्थ भाव से सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर रहा है। ऐसे सेवा कार्य न केवल जरूरतमंदों की सहायता करते हैं बल्कि समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना को भी मजबूत बनाते हैं।

महेश गोयल ने कहा कि जब व्यक्ति बिना किसी स्वार्थ के दूसरों के दुख-दर्द को समझकर उनकी सहायता करता है, तब उसे आत्मिक संतोष और ईश्वर की विशेष कृपा प्राप्त होती है। राधे-राधे ग्रुप का प्रत्येक सदस्य सेवा को साधना मानकर कार्य करता है और यही भावना संस्था को निरंतर आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाई तथा समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा चलाए जा रहे नियमित सेवा, अन्नदान, गौसेवा एवं जनकल्याण के कार्यक्रम अनेक लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रहे हैं।

संस्था का उद्देश्य केवल सहायता पहुंचाना ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा और संवेदना की संस्कृति को मजबूत करना भी है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अनिल धारशूवाले अग्रवाल, विनोद तोष्णीवाल, जगन गुप्ता, पन्नालाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, लता गोयल एवं महेश गोयल उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्यों को और अधिक व्यापक रूप से आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सेवा अभियान की सराहना की।

तेरापंथ महिला मंडल का श्री उत्सव संपन्न

महिलाओं के स्वावलंबन को मिला नया आयाम

एक कदम स्वावलंबन की ओरफथी प्रदर्शनी की थीम, आगंतुकों ने की जमकर खरीदारी

देश के विभिन्न शहरों से आए प्रदर्शकों ने प्रस्तुत किए आकर्षक उत्पाद और आभूषण

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद द्वारा आयोजित दो दिवसीय श्री उत्सव – एक कदम स्वावलंबन की ओर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और स्वावलंबन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस उत्सव को आगंतुकों का भरपूर सहयोग एवं उत्साहपूर्ण प्रतिसाद प्राप्त हुआ।

तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती नमिता सिंघी ने बताया कि By the Women, To the Women, For Everyone की सोच के साथ श्री उत्सव का शुभारंभ किया गया था और यह आयोजन अत्यंत सफलतापूर्वक अपने लक्ष्य तक पहुंचा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके उत्पादों को मंच उपलब्ध कराने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण प्रयास रहा।

प्रदर्शनी में हैदराबाद के अलावा कोलकाता, बीदासर, बीकानेर, दिल्ली सहित देश के अनेक शहरों से आए प्रदर्शकों ने अपने स्टॉल लगाए। आगंतुकों ने विभिन्न उत्पादों और आभूषणों की जमकर खरीदारी की।

बीकानेर के श्रीराम ज्वैलर्स के श्री राजकुमार सोनी, कोलकाता से डिजायर्स ज्वैल्स के नवीन बैंगानी, हैदराबाद के प्रसिद्ध चांडक ज्वेलर्स तथा बीदासर के पारंपरिक चांदी के आभूषणों के स्टॉल विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। खरीदारी करने पहुंची महिलाओं ने पसंदीदा और आकर्षक कलेक्शन उचित कीमतों पर उपलब्ध होने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

अभातेममं की योजनाओं की दी जानकारी

उत्सव के दौरान बैनरों के माध्यम से आगंतुकों को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल (अभातेममं) द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दी गई। मंडल की बहनों ने उत्साहपूर्वक अपने हाथों पर मेहंदी के माध्यम से मंडल का लोगो भी सजवाया।

पूरे आयोजन स्थल की साज-सज्जा में राजस्थानी संस्कृति और लोक रंगों की सुंदर छटा देखने को मिली, जिसने आगंतुकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया।

श्रेष्ठ स्टॉलों को किया गया सम्मानित

समापन अवसर पर विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों को सम्मानित किया गया। ङ्गशुगर बीन्सफ स्टॉल को बेस्ट डेकोरेटेड स्टॉल तथा ङ्गकाजल इमिटेशन ज्वैलरीफ को बेस्ट क्राउडेड स्टॉल का पुरस्कार प्रदान किया गया। ये पुरस्कार मुस्कान ज्वेलर्स की ओर से प्रायोजित किए गए।

इसके अतिरिक्त, दोनों दिनों में प्रत्येक घंटे आयोजित किए गए लकी ड्रॉ के विजेताओं को श्रीराम ज्वैलर्स की ओर से आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए, जिससे उत्सव में आने वाले आगंतुकों का उत्साह और बढ़ गया।

तेरापंथ महिला मंडल द्वारा आयोजित यह उत्सव न केवल खरीदारी और प्रदर्शन का मंच बना, बल्कि महिलाओं के स्वावलंबन, उद्यमिता और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने वाला प्रेरणादायी आयोजन भी सिद्ध हुआ।

तेरापंथ युवक परिषद् हैदराबाद की वार्षिक साधारण सभा एवं अध्यक्ष पद के चुनाव 21 को

कार्यसमिति बैठक में लिया गया चुनाव प्रक्रिया आयोजित करने का निर्णय

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेरापंथ युवक परिषद्, हैदराबाद की कार्यसमिति की बैठक 12 जून 2026 को आयोजित की गई।

बैठक में परिषद् के वर्ष 2026-27 के अध्यक्ष पद हेतु वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) एवं मनोनयन/चुनाव प्रक्रिया आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

निर्णय के अनुसार परिषद् की वार्षिक साधारण सभा एवं अध्यक्ष पद के लिए मनोनयन/चुनाव का आयोजन 21 जून 2026 (रविवार) को प्रातः 10:30 बजे जैन तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी, सिकंदराबाद में किया जाएगा।

चुनाव प्रक्रिया के सुचारु एवं निष्पक्ष संचालन के लिए श्री श्रवण कोठारी को मुख्य चुनाव अधिकारी तथा श्री प्रकाश बोथरा को सहयोगी चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है।

परिषद् के पात्र सदस्य अध्यक्ष पद हेतु नामांकन पत्र प्राप्त करने एवं जमा करने के लिए चुनाव अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं।

नामांकन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 14 जून 2026, सायं 5:00 बजे तक

नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि : 17 जून 2026, सायं 5:00 बजे तक

तेरापंथ युवक परिषद्, हैदराबाद ने सभी सदस्यों से निर्धारित समय पर उपस्थित होकर परिषद् की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता निभाने तथा संगठन को सशक्त बनाने में सहयोग देने का आग्रह किया है।

तेलंगाना में हैंडबॉल प्रशासन को लेकर टीएचए ने स्थिति की स्पष्टता की मांग की

मान्यता और अधिकार को लेकर भ्रामक दावों पर जताई चिंता

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में हैंडबॉल गतिविधियों के प्रशासन एवं मान्यता को लेकर तेलंगाना हैंडबॉल एसोसिएशन (टीएचए) की ओर से एक महत्वपूर्ण बयान जारी किया गया है। एसोसिएशन ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, हितधारकों, सरकारी अधिकारियों तथा आम जनता के संज्ञान में कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों को लाते हुए हैंडबॉल प्रशासन की स्थिति स्पष्ट करने का प्रयास किया है।

जारी बयान में कहा गया है कि एक अनधिकृत संगठन स्वयं को तेलंगाना में हैंडबॉल का वैध शासी निकाय बताकर प्रस्तुत कर रहा है। साथ ही, उस संगठन पर अपनी मान्यता और अधिकार के संबंध में भ्रामक एवं तथ्यहीन दावे कर खिलाड़ियों, अभिभावकों तथा सरकारी अधिकारियों को गुमराह करने का आरोप लगाया गया है। बयान के अनुसार, सक्षम न्यायालय द्वारा हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया (एचएफआई) के अधिकार को मान्यता प्रदान की गई है तथा एचएफआई ने तेलंगाना राज्य में हैंडबॉल गतिविधियों के संचालन एवं विकास के लिए तेलंगाना हैंडबॉल एसोसिएशन (टीएचए) को मान्यता एवं अधिकार प्रदान किए हैं। एसोसिएशन का कहना है कि एचएफआई द्वारा स्थापित व्यवस्था के अंतर्गत टीएचए ही राज्य में हैंडबॉल गतिविधियों के संचालन के लिए विधिवत अधिकृत संस्था है। टीएचए ने यह भी दावा किया है कि जिस संगठन द्वारा वर्तमान में हैंडबॉल प्रशासन पर अधिकार जताया जा रहा है, उसे राज्य सरकार की ओर से कोई मान्यता प्राप्त नहीं है। एसोसिएशन के अनुसार इसके विपरीत किए जा रहे सभी दावे भ्रामक हैं और स्थापित तथ्यों के अनुरूप नहीं हैं। बयान में यह भी कहा गया कि कुछ पूर्व पदाधिकारी, जिनमें एक पूर्व अध्यक्ष भी शामिल हैं, कथित रूप से अपने राजनीतिक प्रभाव का उपयोग कर हितधारकों एवं सरकारी अधिकारियों के बीच भ्रम की स्थिति उत्पन्न कर रहे हैं। एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि ऐसे प्रयास खिलाड़ियों के हितों को प्रभावित करते हैं और खेल के विकास में बाधा उत्पन्न करते हैं। तेलंगाना हैंडबॉल एसोसिएशन ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, जिला संघों, शैक्षणिक संस्थानों तथा सरकारी विभागों से अपील की है कि वे किसी भी जानकारी पर विश्वास करने से पहले आधिकारिक माध्यमों से तथ्यों का सत्यापन करें तथा केवल एचएफआई द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था के साथ ही सहयोग करें।

एसोसिएशन ने कहा कि खिलाड़ियों का कल्याण और तेलंगाना में हैंडबॉल का विकास सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी हितधारकों से भ्रामक सूचनाओं से दूर रहने तथा पारदर्शी, वैधानिक और खिलाड़ी-केंद्रित खेल प्रशासन को समर्थन देने का आग्रह किया गया है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

भारी बारिश के संकट से निपटने के लिए सीएम रेवंत ने बनाया वॉर रूम

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):
हैदराबाद में लगातार हो रही भारी बारिश और मौसम विभाग द्वारा आगे भी मूसलाधार बारिश के अनुमान को देखते हुए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को एक बड़ा फैसला लिया है। सीएम ने आपातकालीन राहत कार्यों में तालमेल बिठाने और नागरिक जीवन को सामान्य बनाए रखने के लिए तत्काल एक वॉर रूम स्थापित करने का आदेश दिया है।

यह वॉर रूम 24 घंटे सातों दिन काम करेगा। मुख्य सचिव (चीफ सेक्रेटरी), पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और कोर अर्बन एरिया रीजन (उणठए) के विशेष मुख्य सचिव सहित वरिष्ठ अधिकारियों की सीधी निगरानी में इसका संचालन किया जाएगा।

अग्रिम मोर्चे पर टीमें तैनात करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने हैदराबाद कोर अर्बन रीजन के दायरे में आने वाले सभी विभागों और एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रहने तथा बारिश से जुड़ी आपात स्थितियों से निपटने के लिए आपसी समन्वय के साथ काम करने का निर्देश दिया। नागरिक सेवाओं और संबंधित एजेंसियों के अधिकारियों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे प्रतिकूल मौसम से उत्पन्न होने वाली किसी भी परिस्थिति का तेजी से सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार रहें।

रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि संकट आने के बाद प्रतिक्रिया देने के बजाय पहले से ही सुरक्षात्मक कदम (प्रोएक्टिव मेजर्स) उठाए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को आदेश दिया कि वे बारिश के पूर्वानुमानों के आधार पर जलजमाव वाले रास्तों और संवेदनशील इलाकों की पहचान करें और वहां पहले से ही टीमें तैनात कर दें। उन्होंने कहा कि बाढ़ या ट्रैफिक जाम की स्थिति पैदा होने से पहले ही प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन कर्मियों, उपकरणों और राहत सामग्रियों को पहुंचा दिया जाना चाहिए।

बुनियादी सेवाएं रहें बहाल, बिजली संकट पर सख्ती

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे आवश्यक सेवाओं को बिना किसी रुकावट के चालू रखना सुनिश्चित करें और भारी बारिश के बावजूद आम नागरिक का जीवन प्रभावित नहीं होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को जन-शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि जलभराव, बिजली कटौती या भारी ट्रैफिक जाम के कारण स्थानीय निवासियों को कोई कठिनाई न हो।

हाल ही में जलभराव वाले इलाकों में बिजली के सीधे तार टूटने से हुई मौतों पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए रेवंत रेड्डी ने बिजली विभाग को संवेदनशील बुनियादी ढांचों का तुरंत आकलन करने और एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने दोहरे लहजे में कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति बिल्कुल नहीं होनी चाहिए। उन्होंने मानसून के मौसम में बिजली की लाइनों और संबंधित प्रतिष्ठानों की कड़ी निगरानी का आह्वान किया।

आईटी कॉरिडोर और ट्रैफिक हॉटस्पॉट्स पर विशेष नजर

सड़कों पर सुचारू आवागमन सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री ने ट्रैफिक पुलिस को बारिश के दौरान पूरे शहर में यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उन सभी पुराने ट्रैफिक हॉटस्पॉट्स और स्थानों पर अतिरिक्त ट्रैफिक कर्मियों तथा स्वयंसेवकों को तैनात किया जाना चाहिए, जहां अक्सर बारिश के दौरान भयंकर जाम की स्थिति बनती है।

रेवंत रेड्डी ने विशेष रूप से अधिकारियों को शहर के आईटी कॉरिडोर पर ध्यान केंद्रित करने को कहा, जहां भारी बारिश के दौरान ट्रैफिक जाम एक बारहमासी समस्या बन चुकी है।

उन्होंने आईटी पेशेवरों और अन्य यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए विशेष उपाय करने को कहा। सरकार की शीर्ष प्राथमिकता जन-सुरक्षा है, इसे दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को सतर्क रहने, प्रभावी ढंग से समन्वय करने और इस मानसून के दौरान उभरती परिस्थितियों पर तेजी से कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा कार्यकर्ताओं ने किया प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह का सम्मान

मेदक, निजामाबाद, सिकंदराबाद और हैदराबाद जिलों के कार्यकर्ता हुए शामिल

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मेदक, निजामाबाद, सिकंदराबाद एवं हैदराबाद जिलों के भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को नामपल्ली स्थित भाजपा तेलंगाना राज्य कार्यालय में अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह का आत्मीय सम्मान किया।

इस अवसर पर सरदार जगमोहन सिंह ने कहा कि कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदर्शित यह स्नेह और सम्मान जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने के लिए किए जा रहे नेतृत्व, सतत संगठनात्मक प्रयासों और अटूट प्रतिबद्धता की सराहना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पार्टी की शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ताओं में निहित है, जो समाज के विभिन्न वर्गों तक पार्टी की नीतियों और योजनाओं को पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना तथा जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए वे निरंतर कार्य करेंगे।

सरदार जगमोहन सिंह ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में एकता, टीम भावना और साझा उद्देश्य की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। सभी कार्यकर्ताओं ने भाजपा के संगठनात्मक विस्तार तथा तेलंगाना के लोगों के कल्याण, विकास और प्रगति के लिए नए उत्साह एवं संकल्प के साथ कार्य करने का प्रण लिया।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कार्यकर्ताओं के समर्पित प्रयासों और केंद्र सरकार की विकासोन्मुखी नीतियों के माध्यम से तेलंगाना को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकेगा।

कार्यक्रम में सरदार जगमोहन सिंह, सरदार सतपाल सिंह, निजामाबाद से जसपाल सिंह, मेदक से ज्ञान सिंह, हैदराबाद सेंट्रल से दर्शन सिंह, रंगारेड्डी अर्बन से जितेंद्र सिंह, कामारेड्डी से राजा सिंह, महांकाली से सुखविंदर सिंह सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एनआईआईएमएच द्वारा योग जागरूकता व्याख्यान एवं सामान्य योग प्रोटोकॉल प्रदर्शन का आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ विशेष कार्यक्रम

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में शुक्रवार को जे.एस.पी.एस. सरकारी होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, रामंतपुर, हैदराबाद में योग जागरूकता व्याख्यान एवं सामान्य योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के अधीन राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद द्वारा आयोजित किया गया। संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी.पी. प्रसाद के मार्गदर्शन में एनआईआईएमएच की एक विशेष टीम ने कॉलेज का दौरा किया। टीम में डॉ. बिस्व रंजन दास (अनुसंधान अधिकारी-होम्योपैथी), डॉ. अंबिली (सीनियर रिसर्च फेलो-आयुर्वेद), श्री श्रीनिवास राव (एल.आई.ए.), डॉ. सत्यब्रत नंदा (रिसर्च असिस्टेंट-संस्कृत) सहित अन्य कर्मचारी शामिल थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. बिस्व रंजन दास ने एनआईआईएमएच का संक्षिप्त परिचय देते हुए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि योग शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने का प्रभावी माध्यम है। इस अवसर पर जे.एस.पी.एस. सरकारी होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एन. लिंगा राजू ने आयुष मंत्रालय, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) तथा सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच द्वारा योग के प्रचार-प्रसार हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. अंबिली ने योग जागरूकता विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा योग के स्वास्थ्य लाभों की विस्तृत जानकारी दी।

इसके पश्चात योग चिकित्सक डॉ. गीता रानी ने कॉलेज के संकाय सदस्यों, स्नातकोत्तर विद्यार्थियों, इंटर्न एवं अस्पताल कर्मचारियों को सामान्य योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) का सजीव प्रदर्शन कराते हुए विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित शिक्षकों एवं कर्मचारियों को योग संबंधी सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) सामग्री के साथ-साथ औषधीय पौधों के पौधे भी वितरित किए गए, ताकि स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा मिल सके।कार्यक्रम का समापन डॉ. सत्यब्रत नंदा द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

केबीआर पार्क में किया गया अन्नदान, सेवा भाव से जरूरतमंदों के चेहरों पर बिखरी मुस्कान

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को हिंदू अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क परिसर में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मानव सेवा और परोपकार की भावना से प्रेरित इस कार्यक्रम में जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मनीष अग्रवाल ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के जीवन में सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। जब हम निस्वार्थ भाव से किसी जरूरतमंद की सहायता करते हैं तो उससे मिलने वाली आत्मिक संतुष्टि शब्दों में व्यक्त नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद वर्षों से सेवा, सहयोग और संस्कारों की जिस परंपरा को आगे बढ़ा रहा है, वह समाज के लिए प्रेरणादायक है। ग्रुप का प्रत्येक सदस्य बिना किसी अपेक्षा के मानवता की सेवा में समर्पित भाव से कार्य कर रहा है, जो वास्तव में सराहनीय है।

उन्होंने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति में सर्वोच्च दान माना गया है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल एक सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि ईश्वर की सच्ची आराधना है। राधे-राधे ग्रुप के माध्यम से निरंतर चल रहे सेवा कार्य समाज में प्रेम, सद्भाव और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान संजय गुप्ता, उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए जरूरतमंदों के बीच भोजन वितरण किया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार समाजसेवा के कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से संचालित अन्नदान, गौसेवा एवं विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियां समाज में सेवा और संवेदनशीलता की अलख जगा रही हैं। ग्रुप के सदस्यों का मानना है कि सामूहिक प्रयासों से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है और यही भावना राधे-राधे ग्रुप की सबसे बड़ी पहचान बन चुकी है।

79वीं सीनियर राष्ट्रीय एक्वेटिक चैंपियनशिप के लिए तेलंगाना तैराकी टीम रवाना होने को तैयार

16 से 21 जून तक अहमदाबाद में आयोजित होगी राष्ट्रीय प्रतियोगिता

हैदराबाद, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना राज्य की सीनियर तैराकी टीम 16 से 21 जून, 2026 तक गुजरात के अहमदाबाद स्थित वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होने वाली 79वीं सीनियर राष्ट्रीय एक्वेटिक चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए तैयार है।

टीम का चयन 24 मई, 2026 को अंबरपेट स्थित जीएचएमसी स्विमिंग पूल में आयोजित 11वीं तेलंगाना सीनियर अंतर-जिला तैराकी चैंपियनशिप के प्रदर्शन के आधार पर किया गया। इस प्रतियोगिता के बाद सुहास प्रीतम मैलारी को तेलंगाना सीनियर तैराकी टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने से पूर्व शनिवार को गचीबौली एक्वेटिक स्टेडियम में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में राज्य की तैराकी टीम, टीम प्रबंधकों एवं कोचों को यूनिफॉर्म और टी-शर्ट किट वितरित की गईं।

टीम की यूनिफॉर्म किट का प्रायोजन 7सीज़ एंटरटेनमेंट लिमिटेड द्वारा किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

कार्यक्रम में तेलंगाना स्विमिंग टीम एवं तैराकी संघ के अध्यक्ष पी. चंद्रशेखर रेड्डी, महासचिव जी. उमेश, 7सीज़ एंटरटेनमेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एल. एम. शंकर, टीम प्रबंधक टी. किरण कुमार तथा कोच आयुष यादव और विजय सिंह उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए विश्वास व्यक्त किया कि तेलंगाना की टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य का गौरव बढ़ाएगी।

बिरकुर में बंद घर का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

बांसवाड़ा, 13 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के बिरकुर मंडल मुख्यालय में चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के नकदी एवं आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिरकुर निवासी वडला राजू वर्तमान में किराये के मकान में रह रहे हैं तथा अपना नया घर बनवा रहे हैं। गुरुवार देर रात जब वे अपने घर पहुंचे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर जांच करने पर अलमारी से करीब 3 तोला सोना, 13 तोला चांदी के आभूषण तथा 1.20 लाख रुपये नकद गायब मिले। चोरी का पता चलते ही वडला राजू ने तत्काल बिरकुर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी जुटाई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे पहले भी बिरकुर और आसपास के क्षेत्रों में बंद मकानों को निशाना बनाकर चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। उन्होंने क्षेत्र में रात्रिकालीन पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्लू टीम और डॉग स्कायड की सहायता से साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में शामिल आरोपियों की पहचान कर उन्हें शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।

मध्य प्रदेश के नीमच से हैदराबाद पधारे श्री ऋतुराज-अपेक्षा जी शर्मा का सिकंदराबाद स्थित सिखवाल ब्राह्मण समाज पंचायती बाड़ा में चल रही श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में स्वागत करते हुए श्री आनंद प्रकाश जी व्यास व मुरलीधर व्यास (जग्गू मिठाई)।

शनि त्रयोदशी के पावन अवसर पर आरामघर चौराहा स्थित श्री सर्व मनोकामना पूर्ति हनुमान मंदिर में भगवान श्री हनुमान जी एवं माता अंजनी के दिव्य आशीर्वाद से महिलाओं को प्रसाद स्वरूप साड़ियों का वितरण किया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.